Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री दुर्गा शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
मां दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, मां कामख्या, मां भद्रकाली, मां शताक्षी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 99 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, शुक्रवार 20 फरवरी 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

22 फरवरी को प्रधानमंत्री का मेरठ दौरा, 20 से एसपीजी संभाल लेगी व्यवस्था

मेरठ । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 22 फरवरी को प्रस्तावित मेरठ दौरे को लेकर चाकचौबंद व्यवस्था बनाई जा रही है। बुधवार को एसपीजी कमांडो ने डेरा डाल दिया। मोहिउद्दीनपुर में जनसभा स्थल के बाद शताब्दीनगर और मेरठ साउथ मेट्रो स्टेशनों के अलावा हेलिपैड का भी एसपीजी ने निरीक्षण किया। इस दौरान बम निरोधक दस्ता और डॉग स्कायड के साथ पुलिस-प्रशासन के आला अधिकारी मौजूद थे।

बुधवार सुबह 10 बजे एसपीजी मेरठ पहुंच गई। एसपीजी के एडीजी एस सुरेश के साथ मंडलायुक्त भानु चंद्र गोस्वामी, डीआईजी कलानिधि नैथानी , डीएम डॉ. वीके सिंह, एसएसपी अविनाश पांडेय के साथ एनसीआरटीसी के अधिकारी सबसे पहले शताब्दीनगर मेट्रो स्टेशन पहुंचे ।

एसपीजी के अधिकारियों ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर जहां मेट्रो स्टेशन में प्रवेश और निकास द्वार के रास्तों की जांच की। यहां पर बारीकी से जांच करने के उपरांत टीम ने स्टेशन के पास ही बने हेलिपैड का भी निरीक्षण किया। इसके बाद एसपीजी अधिकारियों की टीम दोपहर 12 बजे मेरठ साउथ स्टेशन पर पहुंची। टीम ने यहां पर एक घंटे तक सुरक्षा की दृष्टि से हर पहलुओं को जाना। इसके बाद एसपीजी और अधिकारियों का काफिला सीधे मोहिउद्दीनपुर में दोपहर 1:10 बजे इंटीग्रेटेड न्यू टाउन शिप में सभास्थल पर पहुंचा। टीम ने सभास्थल पर पांच हेलिपैड, सभा मंच, वीआईपी मार्ग के साथ लोगों के बैठने के स्थान से लेकर आम जनता के आने वाले रास्ते व वाहन पार्किंग का भी जायजा लिया। एसपी यातायात राघवेंद्र मिश्र ने के मुताबिक एसपीजी के एडीजी ने पीएम की सुरक्षा को लेकर जो दिशा निर्देश दिए हैं, उसी के अनुरूप काम किया किया जा रहा है।

राहुल गांधी समेत 25 कांग्रेसी सांसदों को गोली मारने की धमकी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और 25 कांग्रेसी सांसदों को गोली मारने की धमकी देने वाला वीडियो अपलोड करने वाले एक आदमी के राजस्थान पुलिस ने कोटा से हिरासत में लिया है।

पुलिस के मुताबिक, वीडियो में खुद को राज सिंह बताने वाला आदमी करणी सेना का प्रवक्ता है और उसने हाल ही में लोकसभा में हुई एक घटना को लेकर भी धमकियां दी थीं। करणी सेना के कार्यकर्ता, संसद के हाल ही में खत्म हुए बजट सेशन के पहले हिस्से के दौराव 25 कांग्रेसी सांसदों द्वारा लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के साथ की कई गाली-गलौज से नाराज थे।

कथित वीडियो में राज सिंह ने चेतावनी दी कि अगर ऐसी घटना दोबारा हुई तो वो सांसदों के घरों में घुसकर तोड़-फोड़ करेंगे। उन्हेंने सीधे राहुल गांधी को धमकी देते हुए कहा, अगर ऐसी घटना दोबारा हुई, तो हम उन सांसदों के घरों में घुसकर तोड़-फोड़ करेंगे। मेरा मानना है कि यह घटना राहुल गांधी के आदेश पर हुई है। राहुल गांधी, ध्यान से सुन लो, अगर ऐसी घटना दोबारा हुई, हम तुम्हें तुम्हारे घर में घुसकर गोली मार देंगे।

विमान में बदसलूकी करने वाले यात्रियों की अब खैर नहीं, डीजीसीए लगा सकता है 30 दिनों तक का बैन

नई दिल्ली । नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने अभद्र व्यवहार करने वाले यात्रियों से निपटने के लिए सख्त नियमों का प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें विमानन कंपनियों को ऐसे यात्रियों पर 30 दिन तक के लिए उड़ान प्रतिबंध लगाने की अनुमति देना भी शामिल है। विमानन नियामक ने संशोधित मसौदा नियमावली में कहा कि विमान/व्यक्तियों/संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उड़ानों में अनुशासन बनाए रखने के लिए 'कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति'' अपनाई गई है। हालांकि, आमतौर पर एक स्वतंत्र समिति, जिसमें दूसरी एयरलाइन का प्रतिनिधि भी शामिल होगा, उड़ान प्रतिबंध पर फैसला करेगी। लेकिन कुछ गंभीर मामलों में एयरलाइन सीधे 30 दिन का बैन लगा सकेगी।

दुनिया में भूख से लड़ने के लिए दो लाख टन चावल आपूर्ति करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत दुनियाभर में चल रहे मानवीय कार्यों के लिए दो लाख टन टूटे चावल की आपूर्ति करेगा। भूख से लड़ने के मकसद पांच साल के दौरान यह आपूर्ति की जाएगी। इस संबंध में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के बीच करार पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते के तहत अवधि को आपसी सहमति से बढ़ाया जा सकता है और कीमत भी हर साल आम सहमति से तय की जाएगी। 31 मार्च, 2026 तक के लिए कीमत प्रति क्विंटल 2,800 रुपये तय की गई है। खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि डब्ल्यूईएफपी के साथ साझेदारी के जरिये हम भूख से जूझ रहे लोगों को उम्मीद, पोषण और सम्मान दे रहे हैं।

मुफ्त बिजली-पानी देने से काम करने की आदत ही खत्म हो जाएगी; सरकारें रोजगार दें

फ्री खाना मिलेगा तो लोग काम क्यों करेंगे -सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फ्रीबीज कल्चर (मुफ्त की रेवड़ियां) पर कहा कि अगर सरकार लोगों को सुबह से शाम तक फ्री खाना, गैस और बिजली देती रहेगी तो लोग काम क्यों करेंगे। ऐसे तो काम करने की आदत खत्म हो जाएगी। सरकार को रोजगार देने पर फोकस करना चाहिए।

कोर्ट ने कहा कि गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन बिना फर्क किए सबको मुफ्त सुविधा देना सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। इसमें कंज्यूमर्स की फाइनेंशियल हालत की परवाह किए बिना सभी को फ्री बिजली देने का प्रस्ताव था।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि देश के ज्यादातर राज्य राजस्व घाटे में हैं और फिर भी वे विकास को नजरअंदाज करते हुए मुफ्त की घोषणाएं कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कंपनी ने 2024 के विद्युत संशोधन नियमों के नियम 23 को चुनौती दी है। इसमें उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी को मुफ्त बिजली देने का प्रस्ताव है। राज्य सरकार घरेलू उपभोक्ताओं को हर दो-महीने में लगभग 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली देती है, बिना किसी शर्त के यानी उपभोक्ता चाहे कितना भी खर्च करे, पहली 100 यूनिट के लिए बिल नहीं देना होता।

कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि बिजली दरों की घोषणा के बाद तमिलनाडु की कंपनी ने अचानक मुफ्त बिजली देने का फैसला क्यों किया।

मुफ्त राशन बांटने पर सुप्रीम कोर्ट के पिछले बयान

यह पहली बार नहीं है, जब कोर्ट ने फ्रीबीज को लेकर सख्त टिप्पणी की है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 12 फरवरी 2025 को कहा था, 'लोग काम करना नहीं चाहते, क्योंकि आप उन्हें मुफ्त राशन दे रहे हैं। बिना कुछ किए उन्हें पैसे दे रहे हैं।'कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि इन लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की बजाय क्या आप मुफ्त की योजनाएं लागू करके परजीवियों की जमात नहीं खड़ी कर रहे हैं?

वहीं 9 दिसंबर 2024 को भी केंद्र सरकार के मुफ्त राशन बांटने पर सख्त टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा था- कब तक ऐसे मुफ्त राशन बांटा जाएगा।

सरकार रोजगार के अवसर क्यों नहीं पैदा कर रही? तब कोर्ट अकुशल मजदूरों को मुफ्त राशन कार्ड दिए जाने से संबंधित मामले पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान केंद्र ने अदालत को बताया था कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत 81 करोड़ लोगों को मुफ्त या रियायती राशन दिया जा रहा है।

सीजेआई सूर्यकांत के 3 कमेंट

- ✔ आपको लोगों के लिए रोजगार के रास्ते बनाने चाहिए, ताकि वे कमा सकें और अपनी इज्जत और आत्म सम्मान बनाए रख सकें। जब उन्हें एक ही जगह से सबकुछ मुफ्त मिल जाएगा तो लोग काम क्यों करेंगे। क्या हम ऐसा ही देश बनाना चाहते हैं?
- ✔ अचानक चुनाव के आस-पास स्कीम क्यों अनाउंस की जाती हैं? अब समय आ गया है कि सभी पॉलिटिकल पार्टियां, नेता फिर से सोचें। अगर हम इस तरह से उदारता दिखाते रहे तो हम देश के डेवलपमेंट में रुकावट डालेंगे। एक बैलेंस होना चाहिए। ऐसा कब तक चलेगा?
- ✔ हम भारत में कैसी संस्कृति विकसित कर रहे हैं? यह समझ में आता है कि कल्याणकारी योजना के तहत आप उन लोगों को राहत दें, जो बिजली का बिल नहीं चुका सकते। जो लोग भुगतान करने में सक्षम हैं और जो नहीं हैं, उनके बीच कोई फर्क किए बिना मुफ्त सुविधा देना क्या तुष्टीकरण की नीति नहीं है?

अब एक साथ पढ़ेंगे लड़कों और लड़कियों, हिमाचल में 38 स्कूल मर्ज

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में छात्र और छात्राओं के 38 विद्यालयों का विलय कर उन्हें सह-शिक्षा विद्यालयों में परिवर्तित किया गया है। 500 मीटर से एक किलोमीटर के दायरे में स्थित स्कूलों को मर्ज करने संबंधी अधिसूचना शिक्षा सचिव राकेश कंवर ने जारी की है। इसके तहत शिमला और बिलासपुर के 4-4, कांगड़ा के 12, मंडी के 8, सोलन के 6 तथा हमीरपुर और चंबा के 2-2 विद्यालयों को मिलाकर सह-शिक्षा स्कूल बनाया गया है। इनमें 12 पीएम श्री विद्यालयों में अन्य स्कूलों का विलय किया गया है। नवगठित सभी सह-शिक्षा विद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र से **Central Board of Secondary Education** का पाठ्यक्रम लागू होगा।

शिक्षा विभाग के अनुसार, सह-शिक्षा व्यवस्था लागू होने से संबद्धता की प्रशासनिक प्रक्रियाएं सरल होंगी। शिक्षक और अन्य कर्मचारियों की तैनाती में संतुलन आएगा तथा आधारभूत संरचना का बेहतर उपयोग संभव होगा। विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के पाठ्यक्रम और प्रतिस्पर्धी वातावरण का लाभ मिलेगा। अधिसूचना के अनुसार, जिन विद्यालयों को सीबीएसई संबद्धता के लिए लीड स्कूल नामित किया गया है, उनके प्रधानाचार्य विलय के बाद बने सह-शैक्षिक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य के रूप में कार्य करेंगे।

विलय के बाद लीड स्कूल के प्रधानाचार्य ही नवगठित विद्यालय का प्रभार संभालेंगे। जो विद्यालय लीड स्कूल नहीं हैं, उनके प्रधानाचार्यों को संबंधित उपनिदेशक (माध्यमिक शिक्षा) कार्यालय में अगली नियुक्ति तक रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं।

बिना अनुमति देश छोड़कर नहीं जाऊंगा-अनिल अंबानी

40 हजार करोड़ के बैंक फ्रॉड केस में स्ष्ट में हलफनामा, जांच में सहयोग भी करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अंबानी ने आज यानी 19 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल किया है। इसमें उन्होंने वचन दिया है कि वे अदालत की अनुमति के बिना भारत छोड़कर नहीं जाएंगे। यह हलफनामा उनके रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप की कंपनियों से जुड़ी 40,000 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी की जांच के बीच आया है।

अंबानी ने अदालत को यह भी भरोसा दिलाया है कि वे श्रष्ठ और सीबीआई द्वारा की जा रही जांच में पूरी तरह से सहयोग करेंगे। ये दोनों एजेंसियां अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप की कंपनियों के खिलाफ जांच कर रही हैं।

वकील मुकुल रोहतगी की तरफ से किए मौखिक वादे की पुष्टि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अनिल अंबानी ने अपने हलफनामे में आधिकारिक तौर पर उस अंडरटेकिंग (वचन) को अपना लिया है, जो उनकी ओर से सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने 4 फरवरी को कोर्ट में पेश की थी। तब रोहतगी ने अदालत को मौखिक रूप से आश्वस्त किया था कि अंबानी देश छोड़कर नहीं जाएंगे। अब लिखित हलफनामा दाखिल होने के बाद यह कानूनी रूप से जरूरी हो गया है।

यह पूरी कानूनी कार्यवाही पूर्व ब्यूरोक्रेट ईएएस सरमा की तरफ से दायर एक याचिका के जवाब में हो रही है। याचिका में आरोप है कि **ADAG** ग्रुप की कंपनियों ने अलग-अलग बैंकों के साथ मिलकर 40,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का लोन फ्रॉड किया है।

याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि इस पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में होनी चाहिए, ताकि सच सामने आ सके। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच एजेंसियों को कड़े निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच एजेंसियों को कड़े निर्देश दिए हैं।

वीबी-जी राम जी में भी एआई की एंट्री, श्रमिकों के हाजिरी लगाने का तरीका

23 फरवरी से देशभर में होगा लागू

नई दिल्ली/बाराबंकी (एजेंसी)। विकसित भारत 'जी राम जी' की शुरुआत होने से पहले केंद्र सरकार ने एआइ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) माध्यम से श्रमिकों की आनलाइन हाजिरी लगाने का ट्रायल बाराबंकी में सफल रहा। अब 23 फरवरी से देशभर में कार्य स्थल पर श्रमिकों की आंख की पुतली और चेहरा स्कैनिंग से उपस्थिति भरी जाएगी।

केंद्र सरकार की ओर से पायलट प्रोजेक्ट में यूपी के सिर्फ बाराबंकी में नये वर्जन का राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी प्रणाली (एनएमएमएस) एप से श्रमिकों की आनलाइन हाजिरी का ट्रायल शुरू किया गया। इसमें श्रमिक की आंख की पुतली और चेहरे की स्कैनिंग कर उपस्थिति एआइ तकनीक से दर्ज की गई।

ग्रामीण विकास मंत्रालय की तकनीकी टीम इस पूरी प्रक्रिया की सीधी मानीटरिंग कर रही थी। 22 जनवरी 2026 से जिले की 1155 में से 1053 ग्राम पंचायतों में इस प्रणाली का ट्रायल लिया गया। एनएमएमएस एप रोजगार सेवक और मेट के मोबाइल में अपलोड कर आइडी-पासवर्ड जारी कर दिए गए थे।

एआई का सकारात्मक इस्तेमाल वरदान लेकिन दुरूपयोग विनाश का कारण बन सकता है: मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई को समूची मानवता के इतिहास में बदलाव की बड़ी क्रांति और सकारात्मक शक्ति बताते हुए कहा है कि इसका सकारात्मक और जिम्मेदाराना इस्तेमाल मानवता की भलाई के लिए वरदान है लेकिन इसका दुरूपयोग विनाश का कारण बन सकता है। उन्होंने एआई के बारे में भारत का दृष्टिकोण 'मानव' भी प्रस्तुत किया जो इसके नैतिक, जवाबदेह , संप्रभु और कानूनी स्वरूप की रूपरेखा का उल्लेख करता है। उन्होंने कहा कि भारत का यह विजन 21 वीं सदी में मानवता के कल्याण की अहम कड़ी बनेगा।

मोदी ने गुरुको यहां 'इंडिया एआई इम्पैक्ट'सम्मेलन में दुनिया भर के प्रमुख एआई विशेषज्ञों , अनेक देशों के राष्ट्रध्यक्षों , संयुक्त राष्ट्र के महासचिव और उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि मानव इतिहास में कुछ सदी के बाद निर्णायक मोड़ आता है जो सभ्यता की दिशा तय करता है, जिससे सोचने का दृष्टिकोण बदलता है।

उन्होंने कहा कि शुरू में उसके प्रभाव का अंदाजा भी नहीं होता लेकिन बाद में यही सभ्यता का आधार बनता है। उन्होंने प्राचीन इतिहास के कई पड़ावों का उदाहरण देते हुए कहा कि ए आई मानव इतिहास में बदलाव की क्रांति है इससे मशीनों को बुद्धिमान बनाकर मानव सामर्थ्य को बढाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राचीन पड़ावों की बात करें तो अंतर इतना है कि इस बार बदलाव की तेजी तथा इसका पैमाना अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि इसे देखते हुए हमें विजन और जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी निभानी है।

मोदी ने कहा कि कई बड़े सवाल हैं जैसे आने वाली पीढियों के हाथों में हम ए आई का क्या स्वरूप सौंप कर जायेंगे और इससे भी बड़ा सवाल यह है कि वर्तमान में हम एआई के साथ क्या करते हैं। उन्होंने परमाणु ऊर्जा का उदाहरण देते हुए कहा कि हमने इसका विनाश भी देखा और अब मानवता के लिए इसका सकारात्मक योगदान भी देख रहे हैं। ऐसे ही ए आई भी सकारात्मक शक्ति है यदि यह दिशाहीन हुई तो विनाश और इसे सही दिशा मिली तो यह वरदान है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एआई को 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के दृष्टिकोण से देखता है और यही हमारा मानदंड है। उन्होंने कहा , ध्यान देने की बात यह है कि इंसान एआई के लिए केवल डेटा और कच्चा माल तक सीमित न रह जायें। इसलिए एआई का लोकतांत्रिकरण करना होगा, इसे समानता का माध्यम बनाना होगा, गलोबल साउथ पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा।

मुख्यमंत्री ने नव चयनित खनि निरीक्षकों को प्रदान किया नियुक्ति पत्र

खनिज संपदा से समृद्ध छत्तीसगढ़ के विकास में निभाएं अहम भूमिका : मुख्यमंत्री साय

ईमानदारी और निष्ठा से कार्य करने का दिया संदेश

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित नव नियुक्त खनि निरीक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संपदा की दृष्टि से देश के सबसे समृद्ध राज्यों में से एक है और खनिज प्रशासन के प्रभावी संचालन में मैदानी अमले की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नव चयनित खनि निरीक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवाओं पर ही देश और प्रदेश का भविष्य निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि खनिज विभाग में नई नियुक्तियों से विभागीय कार्यबल मजबूत होगा तथा खनिज अन्वेषण और खनन गतिविधियों को और गति मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवनियुक्त खनि निरीक्षक अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन करते हुए खनिज प्रशासन से जुड़े कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती लौह अयस्क, कोयला, बॉक्साइट, लाइमस्टोन, टिन, डायमंड, गोल्ड और लिथियम सहित विभिन्न खनिज संपदाओं से परिपूर्ण है। खनिज राज्य के राजस्व का प्रमुख स्रोत भी हैं और सरकार खनिज राजस्व में वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने नवनियुक्त अधिकारियों को खनिज राजस्व वृद्धि में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खनि निरीक्षक के रूप में आप सभी के ऊपर बड़ी जिम्मेदारी है। पारदर्शिता, ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करते हुए राज्य के संसाधनों के संरक्षण और सुव्यवस्थित उपयोग में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा 15 अक्टूबर 2025 को 33 खनि निरीक्षकों की चयन सूची जारी की गई थी। खनिज साधन विभाग द्वारा 19 फरवरी 2026 को कुल 32 खनि निरीक्षकों की नियुक्ति आदेश जारी किए गए, जिनमें से 30 नव चयनित खनि निरीक्षकों को आज मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री सौरभ सिंह, सचिव खनिज साधन विभाग श्री पी. दयानंद, संचालक भौमिकी एवं खनिकर्म श्री रजत बंसल सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भारत पर और टैरिफ लगाने का बहाना खोज रहे हैं राष्ट्रपति ट्रंप

यूएस सांसद ने किया बड़ा दावा

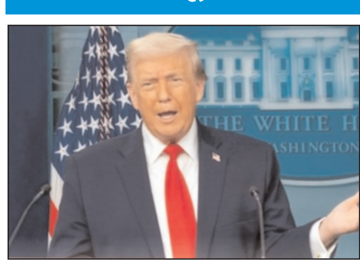

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भारत के खिलाफ टैरिफ नीति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। अमेरिकी सांसद ब्र्ह्ड्डस्त्र स्र्द्धद्दह्वद्बठ्ठ ने आरोप लगाया है कि ट्रंप प्रशासन भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने का बहाना तलाश रहा है और उसे अलग से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने सरकार से अपनी नीति पर पुनर्विचार करने की मांग की है। हाल ही में राष्ट्रपति छ्रश्ठ्ठड्डद्य ञ्जह्लद्वश्च ने भारत पर लगाए गए टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। शर्मन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप भारत पर और अधिक टैरिफ लगाने का बहाना खोज रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप प्रशासन इसका कारण रूस से तेल आयात को बता रहा है। उनके अनुसार, हंगरी अपने लगभग 90 प्रतिशत तेल का आयात रूस से करता है और उस पर कोई टैरिफ नहीं लगाया गया है। वहीं रूस के बड़े खरीदार चीन पर भी रूसी तेल खरीदने के कारण कोई विशेष प्रतिबंध नहीं लगाया गया है, हालांकि अन्य कारणों से उस पर असर पड़ा है। सांसद ने कहा कि भारत रूस से लगभग 21 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, इसके बावजूद उसे ही निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने राष्ट्रपति से इस नीति में तत्काल बदलाव की मांग की। व्यापार आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में अमेरिका को भारत का वस्तु निर्यात 21.77 प्रतिशत घटकर 6.6 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। इससे पहले सितंबर, अक्टूबर और दिसंबर में भी निर्यात में गिरावट दर्ज की गई थी, जबकि नवंबर में इसमें 22.61 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी में अमेरिका से आयात 23.71 प्रतिशत बढ़कर 4.5 अरब डॉलर हो गया।

अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लागू किया था। बाद में दोनों देशों के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति बनी, जिसके तहत सात फरवरी से भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क हटा दिया गया और जवाबी शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया।

खबर-खास

तहसील स्तरीय श्री दुर्गा चालीसा अखंड पाठ का आयोजन 21-22 फरवरी को बसना में

बसना(समय दर्शन)। पूर्ण आध्यात्मिक एवं भौतिक सुख शांति प्रदाता, 108महाशक्तियज्ञों की श्रृंखला के कर्ता,महान तपस्वी,सिद्धाश्रम सिरमौर, प्रकृतिसत्ता माता भगवती आदि शक्ति जगत जननी जगदम्बे मां से एकाकार,अंतरंग योगों के महान ज्ञाता,भगवती मानव कल्याण संगठन,पंचज्योती शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम ट्रस्ट के संस्थापक,संचालक सदगुरुदेव परमहंस योगीराज शक्तिपुत्र महाराज के द्वारा अधर्म के नाश व सत्य धर्म की स्थापना तथा माता भगवती की दिव्य चेतना को जन जन में जागृत करने, नशे मांसाहार से मुक्त चरित्रवान,चेतनावान, परोपकारी एवं पुरुषार्थी समाज के निर्माण तथा विश्व कल्याण की भावना के लक्ष्य को लेकर तहसील स्तरीय 24 घंटे का श्री दुर्गा चालीसा अखंड पाठ का आयोजन बसना के श्री कृष्ण विदुर भवन प्रांगण में 21 फरवरी शनिवार सुबह 11बजे से लेकर 22 फरवरी रविवार सुबह 11बजे तक किया जा रहा है। इस आयोजन में समस्त जाति धर्म संप्रदाय की धर्म प्रेमी जनता, मां भक्तों को सपरिवार, अपने इष्ट मित्रों सहित पहुंच कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर अपने जीवन को सफल बनाने का आव्हान संगठन द्वारा किया गया है। भगवती मानव कल्याण संगठन एक पूर्ण आध्यात्मिक संगठन है, जिसके प्रत्येक सदस्य नशे मांसाहार से मुक्त जीवन जीने की सतप्रेरणा की ओर समाज को ले जा रहा है।

एक साल उपलब्धियों भरा: जिला पंचायत सभापति नीलम चन्द्रकार ने क्षेत्रवासियों का जताया आभारता

पाटन (समय दर्शन)। उत्तर पाटन क्षेत्र से त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जिला पंचायत सदस्य के रूप में निर्वाचित हुई जिला पंचायत सभापति नीलम चन्द्रकार का एक वर्ष का कार्यकाल उपलब्धियों से भरा रहा। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के विकास, महिला सशक्तिकरण और किसानों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास किए।

निर्वाचन के बाद उन्हें जिला पंचायत की स्थायी समिति में स्थान मिला तथा कृषि, जल संसाधन, मत्स्य और उद्यानिकी विभाग की सभापति की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए उन्होंने ग्रामीण अंचलों में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया।

महिला स्वावलंबन को बढ़ावा देने और किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए उन्होंने निरंतर पहल की। पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाएं पहुंचे, इसके लिए वे जिला पंचायत की बैठकों में लगातार मुद्दे उठाती रहीं। सीजी मितान से चर्चा करते हुए श्रीमती नीलम राजेश चंद्राकार ने कहा कि चुनाव के बाद से ही वे क्षेत्र की जनता की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय हैं और आगे भी विकास कार्यों को प्राथमिकता देती रहेंगी। उन्होंने क्षेत्र की जनता के विश्वास और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री आवास के कार्यों का निरीक्षण: ग्राम देवरबीजा में गुणवत्ता व समयबद्धता पर जोर

बेमेतरा (समय दर्शन)। जनपद पंचायत बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरबीजा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रेमलता पद्माकर द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की तथा हितग्राहियों और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर आवास निर्माण शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, मानक सामग्री के उपयोग एवं निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने पर बल दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक स्वीकृत आवास का कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण कराया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को शीघ्र ही पक्के आवास का लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना केंद्र एवं राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने हितग्राहियों से निर्माण कार्य की प्रगति, भुगतान की स्थिति तथा आ रही समस्याओं के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और निर्माण कार्य में सक्रिय सहयोग करें, जिससे निर्धारित समय में आवास पूर्ण हो सके।

इस अवसर पर जनपद पंचायत बेरला के आवास प्रभारी, ग्राम पंचायत देवरबीजा के सरपंच, पंचायत प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा हितग्राहियों को तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया गया तथा लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आवासहीन एवं कच्चे मकानों में रहने वाले पात्र परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। निरीक्षण के माध्यम से प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि योजना का लाभ पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

खोखसीपाली के सरपंच, उपसरपंच और पंच पर अवैध वसूली का आरोप , कलेक्टर से शिकायत

टारजन महेश

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। जनपद पंचायत सारंगढ़ के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत खोखसीपाली (आश्रित ग्राम सोढरडीह) में भ्रष्टाचार का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहाँ के ग्रामीणों ने पंचायत के जनप्रतिनिधियों—सरपंच, उपसरपंच और पंच—पर प्रधानमंत्री आवास दिलाने के नाम पर लाखों रुपए की अवैध वसूली करने का आरोप लगाया है। न्याय की गुहार लेकर आज ग्राम सोढरडीह के दर्जनों ग्रामीण कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपकर दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग की।

प्रति राशन कार्ड ?1000 की वसूली

कलेक्टर को सौंपे गए शिकायत पत्र में ग्रामीणों ने बताया कि गांव के सरपंच, उपसरपंच और पंच ने मिलीभगत कर ग्रामीणों को पीएम आवास का लालच दिया। आरोप है कि आवास योजना का लाभ दिलाने के नाम पर प्रत्येक राशन कार्ड धारी से 1,000 रुपये वसूले गए। इस तरह गांव के सैंकड़ों हितग्राहियों से लगभग 3 लाख रुपये की अवैध वसूली की गई है।

6 महीने से काट रहे चक्कर, वित्त की राशि में भी गड़बड़ी

ग्रामीणों का कहना है कि पैसा दिए हुए 6 महीने से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन न तो उन्हें आवास मिला और न ही उनके पैसे वापस किए जा रहे हैं। जब भी ग्रामीण जनप्रतिनिधियों से सवाल करते हैं, उन्हें टाल दिया जाता है। इसके अलावा, ग्रामीणों ने 15वें वित्त आयोग की राशि के उपयोग में भी भारी गड़बड़ी और बंदरबांट का आरोप लगाया है।

ग्रामीणों की प्रमुख मांगें

वसूली गई राशि ग्रामीणों को तत्काल वापस दिलाई जाए।

भ्रष्टाचार में संलिप्त सरपंच, उपसरपंच और पंच पर दंडात्मक कार्यवाही हो।

आयुक्त ने शिवाजी नगर का किया सघन निरीक्षण

भिलाईनगर (समय दर्शन)। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा शहर के स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए इंडोर स्टेडियम, रिक्त भूखण्ड, आवास सहित उद्यान का निरीक्षण किया गया। उपस्थित अधिकारियों को संधारण एवं सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने कहा गया है।

निगम आयुक्त एवं जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे द्वारा जोन-4 इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया गया है। आयुक्त ने इंडोर स्टेडियम के संधारण कार्य को प्राक्कलन अनुसार शेष कार्य पूर्ण कराने कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा को निर्देशित किए हैं। इंडोर स्टेडियम तैयार होने से खेल में रुचि रखने वाले प्रतिभावान खिलाड़ियों एवं हुनर वाले खिलाड़ियों को विशेष सुविधा मिलेगी। निगम आयुक्त कुछ समय के लिए अन्य अधिकारियों के साथ बैडमिंटन खेले और बैडमिंटन खेलने के कुछ टिप्स भी दिए । सभी अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कार्य के साथ-साथ स्वास्थ्य का भी ख्याल रखें।

नेशनल हाईवे से लगे रिक्त भूखण्ड का अवलोकन किये, आगामी समय में नागरिको की आवश्यकता अनुसार सुविधाओं के विकास हेतु उपयोग पर चर्चा किया गया है। उन्होंने शिवाजी नगर में अटल आवास का निरीक्षण करते हुए कालोनी एवं आस-पास की साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने कहा है। वार्ड क्रं. 51 में नागरिको की सुविधाओं के लिए उद्यान निर्मित है।

कलेक्टर ने बांकी व पेंडाराकापा में सड़क निर्माण कार्यों का लिया जायजा

एनएच-130 ए और ग्रामीण विकास कार्यों का किया निरीक्षण, लापरवाही पर अधिकारियों को लगाई फटकार

मुंगेली(समय दर्शन)। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने मुंगेली विकासखंड के ग्राम बांकी, जैतपुरी, पेंडाराकापा, नुनियाकछार, जमहा तथा राष्ट्रीय राजमार्ग क्षेत्र का सघन निरीक्षण कर विकास कार्यों की जमीनी हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सड़क निर्माण, शिक्षा, आंगनबाड़ी, स्वच्छता एवं अन्य अधोसंरचना कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया और गुणवत्ता में लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। कलेक्टर ने नुनियाकछार एनीकट के निरीक्षण के दौरान सूचना बोर्ड नहीं पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुए तत्काल सूचना बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। एप्रोच रोड में उचित ढलान नहीं होने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और आवश्यक सुधार कार्य तथा शेष कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। ग्राम बांकी में नव-निर्मित सड़क की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाए जाने पर तत्काल सड़क का सैंपल लेकर जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि निर्माण गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया तो सड़क को उखाड़कर पुन: निर्धारित मानकों के अनुसार निर्माण कराया जाए। इसी क्रम में कलेक्टर ने ग्राम पेंडाराकापा में लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित नई सड़क का निरीक्षण कर गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा कार्य में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर ने एनएच-130ए मुंगेली बायपास (बाघामुड़ा से गीधा) तक निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और एनएच के ईई से कार्य प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिग्रहित भूमि के मुआवजा वितरण की स्थिति की समीक्षा की तथा शेष किसानों से शीघ्र शपथपत्र (एफिडेविट) प्राप्त करने के निर्देश दिए। चातरखार क्षेत्र में सड़क की स्थिति पर असंतोष जताते हुए अधिक धूल उड़ने की स्थिति में नियमित रूप से पानी का छिड़काव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास अवैध रूप से डंप की गई निजी गिट्टी एवं रेत को जब्त कर दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। इसके अतिरिक्त, मुंगेली नगर पालिका सीएमओ को मुंगेली से पंडरिया मार्ग के दोनों ओर नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने निर्देशित किया। इस दौरान अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पति के साथ भाई के घर जा रही महिला से एक लाख का जेवर लूटा

चार में से दो लुटेरों को मौके पर ही ग्रामीणों ने दबोचा

कवर्धा (समय दर्शन)। पिपरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिंघनपुरी से सोनबरसा मार्ग में अपने पति के साथ मोटर सायकल में भाई के घर जाते समय रास्ते में लूट का शिकार हो गई और चार लुटेरों ने कट्टा दिखाकर पहने हुए सोने की हार व अन्य जेवर लूटकर फरार हो गए। लूटे गए जेवर का बाजार मूल्य 99 हजार 474 रुपए बताई गई है।

पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना में जुट गई है। पुलिस के अनुसार घटना 16 फरवरी की दोपहर करीब एक से 1.30 बजे के बीच की बताई गई है। पीड़िता पार्वती पति सुरेन्द्र वर्मा 45 वर्ष निवासी केशडबरी थाना साजा जिला बेमेतरा की सूचना पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध अपराध दर्ज कर पतासाजी में जुट गई है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह अपने पति के साथ मोटरसाइकिल से अपने भाई के घर ग्राम सोनबरसा जा रही थीं। इसी दौरान दो मोटर साइकिल में सवार चार आरोपियों ने कट्टा दिखाकर डराया-धमकाया तथा उनके गले में पहने पुराने इस्तेमाली सोने के हार, दो नग सोने के झुमके एवं सोने की पत्ती माला छीनकर फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पिपरिया पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पीड़िता एवं उसके पति के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीणों एवं राहगीरों द्वारा साहस दिखाते हुए आरोपियों का पीछा भी किया गया। ग्रामीणों के सहयोग से भाग रहे आरोपियों में से दो आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मंजीत उर्फ मोनू पिता अजब सिंह निवासी सरीफपुर थाना सिंहबाउली जिला हापुड़ (उत्तर प्रदेश) तथा पवन कुमार पिता रमेश कुमार निवासी बुआडकला थाना खतौली जिला मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक देशी कट्टा एवं घटना में प्रयुक्त दोनों मोटर साइकिल तत्काल बरामद कर ली गई। शेष दो फरार आरोपियों की पतासाजी हेतु पुलिस टीम रवाना कर दी गई है तथा संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है।

घटना में लूटे गए मशरुका की कुल अनुमानित कीमत लगभग 99 हजार 474 रुपए है। घटना के दौरान प्रार्थी के गले एवं कलाई में चोट-खरोंच आई है, जिन्हें प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया है।

जांच में यह तथ्य सामने आया है कि पकड़े गए दोनों आरोपी उत्तर प्रदेश के निवासी हैं तथा इनके विरुद्ध पूर्व से हत्या के प्रयास, मारपीट एवं लूट जैसे गंभीर अपराध उत्तर प्रदेश के विभिन्न थानों में पंजीबद्ध हैं। आरोपी पवन कुमार के विरुद्ध गैंगस्टर एवं एंटी सोशल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट के तहत कार्यवाही होना भी ज्ञात हुआ है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने कहा है कि जिले में लूट, डकैती एवं अन्य संगीन अपराधों में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध लगातार ठोस एवं सख्त कार्रवाई की जाएगी। आम नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

महासमुंद के 4 खिलाड़ियों ने जीते 14 राष्ट्रीय पदक

नेशनल मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप जबलपुर में महासमुंद जिले के 04 खिलाड़ियों ने जीते 14 पदक

बसना (समय दर्शन)। 45 वीं नेशनल मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन दिनांक 13 से 15 फरवरी 2026 तक जबलपुर, मध्य प्रदेश में आयोजित किया गया। जिसमें भारत के सभी राज्यों से लगभग 1426 एथलीटों ने भाग लिया। छत्तीसगढ़ की टीम भी चैंपियनशिप में शामिल रहीं। छत्तीसगढ़ टीम में महासमुंद जिले से 04 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें महासमुंद से पुरुष वर्ग में आरक्षक महासमुंद से साधुराम ध्रुव, सहायक शिक्षक बांजीपुर से जनक राम ध्रुव, सहायक शिक्षक बागबाहरा से दौलत राम दीवान एवं महिला वर्ग में प्रधान पाठक आमापारा मुनगाशेर से रामबती ठाकुर शामिल हुए। साधुराम ध्रुव ने 800 मी. दौड़ में सिल्वर मेडल, 400 मीटर हर्डल में गोल्ड मेडल, 4म100 मीटर रिले रेस में सिल्वर मेडल एवं 4म400 मीटर रिले रेस में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। साधुराम ध्रुव ने 01 स्वर्ण पदक एवं 03 रजत पदक जीतने में सफलता हासिल किया। जनक राम ध्रुव ने 100 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल, लंबीकूद में गोल्ड मेडल, 400 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल एवं 4म400 मीटर रिले रेस में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। जनक राम ध्रुव ने 02 स्वर्ण पदक एवं 02 रजत पदक जीतने में सफलता हासिल किया। दौलत राम दीवान ने 5000 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल,1500 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल एवं 4म400 मीटर रिले रेस में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। दौलत राम दीवान ने 02 स्वर्ण पदक एवं 01 रजत पदक जीतने में सफलता हासिल किया। रामबती ठाकुर ने 100 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल, 80 मीटर हर्डल में गोल्ड मेडल एवं लंबीकूद में सिल्वर मेडल जीता। रामबती ठाकुर ने 02 स्वर्ण पदक एवं 01 रजत पदक जीतने में सफलता हासिल किया। इस प्रकार छत्तीसगढ़ राज्य दल में 42 एथलीटों ने 21 स्वर्ण पदक, 28 रजत पदक एवं 19 कांस्य पदक सहित कुल 68 पदक जीतकर छत्तीसगढ़ का नाम पूरे भारत में रौशन किया।

दुर्ग के विकास को नई रफ्तार: गजेंद्र यादव की बड़ी बैठक, 22 करोड़ से होंगे ऐतिहासिक कार्य

दुर्ग (समय दर्शन)। शहर के समग्र एवं योजनाबद्ध विकास को लेकर सर्किट हाउस दुर्ग में कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने महापौर अलका बाघमार की मौजूदगी में आज नगर निगम के सभी पार्षदों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर अधिकारियो को दो दिनों के अंदर सभी प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए है बैठक में सभापति श्याम शर्मा,आयुक्त सुमित अग्रवाल सहित एमआईसी सदस्य पार्षदगण एवं प्रमुख अधिकारी मौजूद थे। बैठक में शहर के 60 वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार एवं अधोसंरचना विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। मंत्री गजेंद्र यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक वार्ड में संबंधित पार्षदों से समन्वय स्थापित कर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्यों का इस्टीमेट तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों, नालियों, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत किए जाएं, ताकि विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके। बैठक में केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार द्वारा अधोसंरचना मद में 22 करोड़ रुपये से अधिक की राशि उपलब्ध कराई जा रही है। इस राशि से सभी 60 वार्डों में आवश्यकतानुसार विकास कार्य कराए जाएंगे। विशेष रूप से प्रत्येक वार्ड में नाली निर्माण हेतु 10-10 लाख रुपये तक की मांग का प्रस्ताव तैयार करने और पार्षदों को मांग पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, ताकि वार्ड स्तर की समस्याओं का शीघ्र समाधान हो सके। शहर के प्रमुख तालाबों के सौंदर्यीकरण का भी निर्णय लिया गया। तालाबों के आसपास आवश्यकतानुसार गार्डन विकसित किए जाएंगे, जिससे नागरिकों को स्वच्छ एवं सुंदर सार्वजनिक स्थल उपलब्ध हो सकें। साथ ही मुक्तिधामों के जीर्णोद्धार का कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत हाई स्कूल भवरेली में जागरूकता सत्र आयोजित

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के क्रियान्वयन हेतु शिक्षा ही सुरक्षा के थीम पर हाई स्कूल भवरेली, बम्हनीडीह में जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को कैंसर रोग के प्रति जागरूक करना तथा वार्षिक परीक्षा के दौरान आत्मविश्वास एवं तनावमुक्त अध्ययन के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना था। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देष्य महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थय और पोषण में सुधार के साथ बालिकाओं में कैंसर रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है। कार्यक्रम में छात्राओं को कैंसर के शुरुआती लक्षण, स्वस्थ जीवनशैली, पौष्टिक आहार, नियमित व्यायाम, नशीले पदार्थों से बचाव, मासिक धर्म स्वच्छता एवं निवारक देखभाल की जानकारी दी। साथ ही आत्म-सम्मान, आत्म-सुरक्षा और 12वीं के बाद रुचि अनुसार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी संबंधी कैरियर मार्गदर्शन भी प्रदान किया। इसके साथ ही सखी वन स्टॉप सेंटर एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए लैंगिक हिंसा की रोकथाम और अधिकारों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में परियोजना बम्हनीडीह पर्यवेक्षक श्रीमती दुर्गश नंदिनी यादव, श्रीमती रामकुमारी पटेल, सुश्री अल्का चंद्रा, श्री राजकुमार झलरिया, श्री लतेलराम करियारे, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थे।

पुलिस अधीक्षक बालोद योगेश कुमार पटेल के निर्देशन में बालोद पुलिस को मिली बड़ी सफलता

मालीघोरी से 900 कटटा धान से भरी ट्रक चोरी कर दमकसा में छोर्डा था ट्रक 280 कटटा शासकीय धान की चोरी किये थे आरोपी

बालोद (समय दर्शन)। दिनांक 16.01.2026 को 900 कटटा धान से भरा ट्रक क्रमंक सीजी 08 ए वी 1711 को अज्ञात व्यक्ति द्वारा ग्राम मालीघोरी से ले जा कर दमकसा बडभूम में छोड दिया और ट्रक से 280 कटटा धान को चोरी कर ले गया । जिसपर थाना बालोद में अपराध क्रमांक 28/2026 धारा 316(3) बीएनएस क्रायम कर विवेचना मे लिया गया ।मामले को गंभीरता से लेते हूए पुलिस अधीक्षक बालोद श्री योगेश कुमार पटेल (भा0पु0से0) के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका ठाकुर के निर्देशन व

एसडीओपी बालोद श्री बोनीफास एक्का के पर्यवेक्षण में चोरी के प्रकरण में आरोपियों के पतासाजी हेतु सायबर सेल बालोद व थाना बालोद से विशेष टीम गठित किया गया था। टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्य व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदेही को चिन्हाकिंत किया गया। और प्रकरण में आरोपियो के पतासाजी कर चोरी के धान को विधिवत बरामद किया गया।

आरोपी नेतरात देवागन द्वारा अपने कथन में बताया कि उसके पास स्वयं का 02 ट्रक होना बताया जिसकी किस्त नही पटने से फायनेंस वाले बार बार घर आ रहे थे। किस्त का पैसा पटाने के लिए आरोपी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर 03 दिन से मालीघोरी धर्मकांटा के पास धान से भरे ट्रक को देखकर चोरी करने की योजना बनाया। घटना दिनांक को चारो आरोपी अपने गांव से मालीघोरी मे खडी ट्रक सीजी 08 ए वी 1711 के पास आये। देखने पर उक्त ट्रक चाबी लगा होने से 02 आरोपी उसमें चढ गयें और दो और साथी कांशी व तरूण को अपने स्वयं का खाली ट्रक क्रमांक सीजी 08 ए क्यू 7884 जो जगतरा में खडा था उसे लाने भेज दिए और चोरी हूए ट्रक को झलमला ,रानीमाई होते हूए दमकसा ले गये और आरोपी चोरी किये हूए ट्रक में रखे 900 कटटा धान में से 280 कटटा धान को अपने ट्रक में लोड कर उसे वहां अपने ससुराल ग्राम कंगलूटोला ले गया। शासकीय बारदाना में धान भरा होने से आरोपियों ने बारदाना से खाली कर लोकल बोरा में भर कर रख दियें। व शासकीय बारदाना को कही रास्ते में फेक दिये। इस दौरान आरोपियों ने ट्रक में लगे जीपीआरएस को घटना स्थल पर ही तोड कर फेक दिया। आरोपियों के निशानदेही पर चोरी के धान को बरामद किया गया। है। घटना में प्रयुक्त ट्रक व मोटरसायकल को जप्त कर 04 आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

श्रमिकों में हर्ष एवं उत्साह का माहौल देखने को मिला

3,106 पंजीकृत श्रमिकों के खातों में 1 करोड़ 51 लाख 57 हजार से अधिक की सहायता राशि अंतरित

रायपुर। श्रमिकों के सम्मान एवं उनके सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन आज महासमुंद के विशाल मेगा मार्ट परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक महासमुंद श्री योगेश्वर राजू सिन्हा, पूर्व राज्य मंत्री श्री पूनम चंद्राकर, पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भीखम सिंह ठाकुर, जनपद अध्यक्ष श्रीमती दिशा दीवान, स्काउट एवं गाइड के राज्य आयुक्त श्री इन्द्रजीत सिंह गोल्डी एवं स्काउट एवं गाइड के जिलाध्यक्ष श्री ऐतराम साहू प्रमुख रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान जिले के 3106 पंजीकृत श्रमिकों के खातों में 1 करोड़ 51 लाख 57 हजार 630 रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित की गई। इस अवसर पर श्रमिकों में हर्ष एवं उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. रामप्रताप सिंह ने सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि सभी जिले में श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है तथा आज महासमुंद जिले में 3 हजार से ज्यादा श्रमिकों को एक करोड़ 51 लाख रुपए से ज्यादा की राशि उनके खाते में भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार श्रमिकों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक उत्थान के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। निर्माण एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिक प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके सम्मान, सुरक्षा एवं कल्याण को सुनिश्चित करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए श्रमिकों से अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान किया। डॉ. सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार में योजनाओं

के क्रियान्वयन में सुशासन और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। श्रमिकों को उनके हित की राशि अब सीधे उनके बैंक खातों में मिल रही है। उन्होंने श्रमिकों से अपने पंजीयन को अद्यतन रखने, श्रम कार्ड बनवाने और निरंतर नवीनीकरण पर जोर दिया। साथ ही बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देने तथा स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। इस अवसर पर उन्होंने यह भी कहा कि सरकार श्रमिक परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आवास, छात्रवृत्ति, चिकित्सा सहायता, प्रसूति सहायता एवं कौशल विकास जैसी योजनाओं का विस्तार कर रही है।

विधायक श्री सिन्हा ने कहा कि श्रमिक समाज व राज्य की प्रगति की रीढ़ है और उनके उत्थान के लिए सरकार निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में श्रमिकों एवं गरीब वर्ग के कल्याण हेतु अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएँ प्रारंभ की गई हैं। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिक परिवारों को सामाजिक सुरक्षा एवं आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार, केन्द्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहे है।

पूर्व राज्य मंत्री श्री पूनम चंद्राकर एवं पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा, श्री येतराम साहू ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री देवीचंद राठी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री पवन पटेल, श्री महेन्द्र सिक्का, श्री मनीष बंसल, श्री अमन वर्मा, श्री अरविन्द प्रहरे, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, बड़ी संख्या में श्रमिकगण एवं श्रम विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

यातायात नियमों के प्रति आमजनों को करें जागरूक: रामविचार नेताम

रायपुर। बलरामपुर जिले के जनपद पंचायत राजपुर के सभाकक्ष में जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद, सांसद सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला पशु रोगी कल्याण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम वर्चुअल रूप से जुड़े। इस दौरान सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज, सामरी विधायक श्रीमती उद्देश्वरी पैंकरा, प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला पोर्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज, कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा, पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर, वनमंडलाधिकारी श्री आलोक वाजपेयी, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री आर.एन. पाण्डेय, जनपद एवं नगरीय निकायों के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री श्री नेताम ने सांसद सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कहा कि शराब पीकर और तेज गति से वाहन चलाने वालों पर सख्ती के साथ कार्रवाई करने के निर्देश दिए, जिससे सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण किया जा सके। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों के संबंध में विस्तार से जानकारी देने के साथ-साथ लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। उन्होंने हाट-बाजारों में भी प्रचार-प्रसार कर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने सुझाव दिए। उन्होंने सड़क दुर्घटना से बचने के लिए अनिवार्य रूप से हेलमेट एवं चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट की उपयोगिता सुनिष्चित करने को कहा।

उन्होंने बैठक में पिछले वर्ष स्वीकृत कार्यों में से पूर्ण हो चुके कार्यों की भी जानकारी ली। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के महत्वपूर्ण कार्यों एवं आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना के अनुमोदन की जानकारी दी। उन्होंने डीएमएफमद के अंतर्गत प्राप्त राशि एवं व्यय, कार्यों की प्रगति और महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की। सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने कहा कि जिले में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए एक प्रभावी कार्ययोजना बनाया जाए। उन्होंने सड़क सुरक्षा के संबंध में जनजागरूकता लाने और राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने नाली निर्माण और पानी निकासी की उचित व्यवस्था के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी वाहन चालक आवष्यक दस्तावेजों के साथ यातायात नियमों का पालन करते हुए वाहन चलाए यह सुनिश्चित किया जाए।

जल जीवन मिशन से भोथली की बदली तस्वीर

रायपुर। राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव विकासखंड के मरेठानवागाँव ग्राम पंचायत के आश्रित गांव भोथली में कभी पेयजल की समस्या ग्रामीण जीवन की सबसे बड़ी चुनौती थी। गर्मियों के दिनों में भूजल स्तर नीचे गिर जाने से हैंडपंप से भी पानी प्राप्त नहीं हो पाता था। पानी के लिए लंबी कतारें लगती थीं और ग्रामीणों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता था। अस्वच्छ जल के कारण बीमारियों का खतरा भी हमेशा बना रहता था। जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन ने भोथली की स्थिति को पूरी तरह बदल दिया। गांव में सौर ऊर्जा संचालित पम्प की स्थापना कर नियमित एवं स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। अब सभी परिवारों को नल से प्रतिदिन स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। इससे न केवल जल संकट का स्थायी समाधान हुआ है, बल्कि ग्रामीणों के जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। जल जीवन मिशन के तहत गुणवत्ता की निगरानी के लिए गांव की पाँच महिलाओं को फील्ड टेस्ट किट से

पानी की जाँच का प्रशिक्षण दिया गया है। वे समय-समय पर पानी की गुणवत्ता की जांच कर रही हैं। साथ ही सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने पानी समिति का गठन किया गया है, जो जल आपूर्ति व्यवस्था के रखरखाव की जिम्मेदारी निभा रही है। स्वच्छ पानी की उपलब्धता से ग्रामीण परिवारों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर पड़ा है। दूषित पानी से होने वाली बीमारियों पर होने वाला खर्च कम हुआ है और लोगों की कार्यक्षमता बढ़ी है। घर में नल लगने से महिलाओं और बच्चों का समय बचा है, जिसका उपयोग अब वे खेती-किसानी और अन्य उपयोगी कार्यों में कर रहे हैं। ग्रे-वॉटर मैनेजमेंट के तहत ग्रामीणों को सोख्ता गड्ढों के निर्माण की जानकारी देकर जल संरक्षण और स्वच्छता को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदला शिव शंकर का जीवन

रायपुर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के माध्यम से सरगुजा जिले के लखनपुर नगर पंचायत में रहने वाले श्री शिव शंकर का वर्षों पुराना पक्का मकान का सपना साकार हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दृढ़ संकल्प से पात्र हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराने का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। इसी क्रम में शिव शंकर को योजना अंतर्गत स्वीकृत आवास का लाभ प्राप्त हुआ, जिससे उनका परिवार अब सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रहा है।

कठिन परिस्थितियों से मिली राहत

श्री शिव शंकर ने बताया कि पहले उनका परिवार जर्जर कच्चे मकान में रहा करता था। बारिश के दिनों में छत से पानी टपकने के कारण बच्चों सहित पूरे परिवार को गंभीर

असुविधाओं का सामना करना पड़ता था। सीमित आय और पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते पक्का मकान बनवाना संभव नहीं हो पा रहा था। ऐसे समय में प्रधानमंत्री आवास योजना उनके लिए आशा की किरण बनकर आई। हितग्राही शिव शंकर ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि योजना के सहयोग से उन्हें पक्का घर मिला है, जिससे उनके परिवार को सुरक्षा और स्थायित्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि अब वे अपने बच्चों के साथ सुरक्षित वातावरण में सुख-चौन से रह रहे हैं और उनका वर्षों पुराना सपना पूरा हो गया है।

समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम- प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य केवल आवास उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में पात्र लाभार्थियों को पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से सीधे लाभ मिल रहा है।

वार्ड क्र. 19 में बनने जा रहे सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का शुभारंभ नारियल तोड़कर किया

उद्योग मंत्री ने 1.58 करोड़ रूपए के विकास कार्यो का किया भूमिपूजन व शुभारंभ

रायपुर। प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रममंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने आज नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 17 में मंगल भवन एवं 19 में सामुदायिक भवन एवं दादरखुर्द बस्ती के सड़क डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। वहीं वार्ड क्र. 19 में बनने जा रहे सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का शुभारंभ नारियल तोड़कर किया। इस मौके पर महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, पार्षद श्री नरेन्द्र देवांगन सहित वार्ड के पार्षदगण, जनप्रतिनिधिगण विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 17 ढोढ़ीपारा भैंसखटाल में काली मंदिर के समीप 20 लाख रूपये की लागत से मंगल भवन का निर्माण कराया जाएगा, इसी प्रकार वार्ड क्र. 19 ढोढ़ीपारा के सामने स्थिता बस्ती में 20 लाख रूपये की लागत से क्षत्रिय राठौर समाज की मांग के अनुरूप 20 लाख रूपये की लागत से

सामुदायिक भवन का निर्माण किया जाना हैं, जिसका विधिवत शुभारंभ आज उनके करकमलों से किया गया। निगम द्वारा वार्ड क्र. 34 दादर के कंकालिन मंदिर के सामने से जगन्नाथ मंदिर होते हुए मुख्य द्वार तक सड़क डामरीकरण का कार्य 01 करोड़ 18 लाख रूपये की लागत से निगम द्वारा कराया जाना हैं।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने संबोधित करते हुए कहा कि मैं आप सबके परिवार का एक छोटा सा सदस्य हूँ, मेरे ऊपर आप सबका पूरा अधिकार है, आपकी विकास संबंधी जो भी आवश्यकताएं होंगी, उन्हें पूरा करना, मेरा प्रथम लक्ष्य है, उन्हें अवश्य पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यहां पर मंगल भवन व सामुदायिक भवन का निर्माण होने से बस्तीवासियों के अपने पारिवारिक, सामाजिक व सार्वजनिक कार्यक्रमों हेतु सुविधायुक्त स्थल उपलब्ध हो सकेगा, बस्तीवासियों की यह पुरानी मांग थी, जो आप सब के आशीर्वाद से आज पूरी हो रही है। श्री देवांगन ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री श्री मोदी की गारंटी को समय-सीमा में पूरा किया है तथा श्री साय के मार्गदर्शन में राज्य सरकार समाज के सभी वर्गो के हितों के लिये, प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिये लगातार कार्य कर रही है। आज मुख्यमंत्री श्री साय ने इन जनहितैषी योजनाओं को पुनः संचालित कराया है, जिससे प्रदेश के गरीब, निर्धन, किसान, मजदूर, युवा, महिला सहित सभी वर्ग के लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

इस मौके पर अपने उद्बोधन में महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने कहा कि उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में कोरबा का तेजी से विकास हो रहा है, उन्होने अपने महापौर कार्यकाल में ऐतिहासिक रूप से विकास कार्य कराये थे, जो आज भी हम सबको दिखाई दे रहे हैं, अब पुनः कोरबा विकास के उसी रास्ते में चल रहा है, वर्षों की समस्याएं दूर हो रही हैं तथा निगम के सभी वार्ड, बस्तियों में वहाँ के रहवासियों की मांग, आवश्यकता व इच्छा के अनुरूप बड़े पैमाने पर विकास कार्य कराये जा रहे हैं।

इस अवसर पर पार्षद लक्ष्मण श्रीवास, मुकेश राठौर, सुनीता चौहान, ममता यादव, अजय गोंड़, रामकुमार साहू, मंडल अध्यक्ष मनोज लहरे, डॉ.राजेश राठौर, मिलाप बरेठ, जगदीश श्रीवास, सुनीता राठौर, कृष्णा द्विवेदी, प्रफुल्ल तिवारी, ईश्वर साहू, नारायण सिंह ठाकुर, पुनीराम देवांगन, नरेन्द्र पाटनवार, अनिल यादव, धनसाय साहू, संजय कुमवंशी, हारबाई यादव, आशीष द्विवेदी, सुरेन्द्र राजवाड़े, गिरधारी रजक, हरनारायण विश्वकर्मा, जितेन्द्र साहू सहित बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

सहायक शिक्षक भर्ती की मांग पर डीएड अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री निवास पहुंचकर किया घेराव का प्रयास

रायपुर। सहायक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे डीएड अभ्यर्थियों ने बुधवार को राजधानी रायपुर में शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के निवास का घेराव करने की कोशिश की। अचानक 30 से 40 अभ्यर्थियों के पहुंचने से मंत्री आवास के बाहर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

बताया जा रहा है कि अभ्यर्थी पिछले एक महीने से भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं। इसी कड़ी में वे बिना किसी पूर्व सूचना के मंत्री के निवास पर पहुंचे और अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। स्थिति को देखते हुए पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा और प्रदर्शनकारियों को समझाइश देकर स्थिति नियंत्रित की। एहतियात के तौर पर नवा रायपुर स्थित मंत्री आवास के बाहर अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात कर दिया गया है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी अभ्यर्थी इसी तरह बिना सूचना मंत्री निवास पहुंचकर विरोध जता चुके हैं। प्रदर्शनकारी जल्द से जल्द सहायक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग पर अड़े हुए हैं।

केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड द्वारा 11 जिलों की संशोधित गाइडलाइन दरें अनुमोदित

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 20 नवम्बर 2025 से लागू नवीन गाइडलाइन दरों के संबंध में राज्य शासन द्वारा जिला मूल्यांकन समितियों को आवश्यकतानुसार पुनरीक्षण प्रस्ताव केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में विभिन्न जिलों से प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करते हुए केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड द्वारा 11 जिलों की संशोधित गाइडलाइन दरों को अनुमोदन प्रदान किया गया है।

राज्य शासन के निर्देशों के अनुरूप राजनांदगांव, बस्तर, कबीरधाम, जशपुर, मुंगेली, कांकेर, कोण्डागांव, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी तथा मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिलों की जिला मूल्यांकन समितियों से संशोधित प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। इन प्रस्तावों पर विचार हेतु महानिरीक्षक पंजीयन की अध्यक्षता में केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिलों से प्राप्त गाइडलाइन दरों का परीक्षण कर व्यापक विचार-विमर्श के उपरांत प्रस्तावों को अनुमोदित किया गया।

केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड द्वारा अनुमोदित नवीन गाइडलाइन दरें उपरोक्त सभी 11 जिलों में दिनांक 18 फरवरी 2026 से प्रभावशील होंगी। इससे भूमि एवं संपत्ति पंजीयन प्रक्रिया में पारदर्शिता, वास्तविक बाजार मूल्यों के अनुरूप मूल्यांकन तथा नागरिकों को सुविधा सुनिश्चित होगी।

आम नागरिक एवं संबंधित हितधारक नवीन गाइडलाइन दरों की जानकारी संबंधित जिला पंजीयन कार्यालयों तथा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। अन्य जिलों की संशोधित गाइडलाइन दरें भी जिला मूल्यांकन समितियों से प्रस्ताव प्राप्त होने के पश्चात शीघ्र जारी की जाएंगी।

संतोषी नगर मार्ग को जनहित में अभियान चलाकर किया गया अतिक्रमणमुक्त

रायपुर। रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री विश्वदीप और यातायात एसपी श्री अजय कुमार के निर्देशानुसार एएसपी यातायात श्री विवेक शुक्ला, नगर निगम अपर आयुक्त नगर निवेश श्री पंकज के. शर्मा, नगर निवेशक श्री आभाष मिश्रा, कार्यपालन अभियंता नगर निवेश श्री आशुतोष सिंह, नगर निगम जोन 6 जोन कमिश्नर श्री हितेन्द्र यादव, जोन 10 जोन कमिश्नर श्री विवेकानंद दुबे सहित सम्बंधित यातायात पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश विभाग उड़न दस्ता, नगर निगम जोन 6 एवं 10 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा राजधानी शहर नगर निगम रायपुर क्षेत्र अंतर्गत जोन 6, 10 क्षेत्र अंतर्गत संतोषी नगर मुख्य मार्ग में टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत बाजार क्षेत्र में विभिन्न प्रमुख मार्गो को अतिक्रमण से मुक्त करने व्यापक अभियान के अंतर्गत जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से सुगम और सुव्यवस्थित यातायात देने सभी दुकानदारों को पुनः एक बार समझाइश दी गयी कि वे सड़क पर कब्जा ना करें, अन्यथा की स्थिति में सड़क पर रखे उनके सामानों की यातायात जाम की समस्या दूर करने जनहित में सख्तीपूर्वक जब्ती कर ली जाएगी, इस स्थिति के निर्मित होने पर सम्बंधित कब्जाधारी दुकानदार स्वतः जिम्मेदार रहेंगे ।

आज चलाये गए जनहितकारी टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत जोन 6 और 10 क्षेत्र में लगभग 73 दुकानो के सामने सडक पर अतिक्रमण कर बनाये गये शेड को जेसीबी मशीन की सहायता से तोड़कर मार्ग को कब्जा मुक्त करवाने कार्यवाही की गई। वहीं मार्ग में अवैध ठेलों को सड़क कब्जामुक्त करने जब्त कर लिया गया।

वहीं टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत आज नगर निगम रायपुर क्षेत्र अंतर्गत संतोषी नगर मुख्य मार्ग में नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उड़न दस्ता की टीम और जोन 6 व 10 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा साथ मिलकर सड़क के कब्जाधारी दुकानदारों से सड़क पर कब्जा करने पर कुल लगभग कुल 12000 रूपये का ई चालान करने की नियमानुसार कड़ी कार्यवाही उन्हें भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए किया गया। टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत लगातार चलाये जा रहे अतिक्रमणरोधी अभियान से राजधानी शहर रायपुर के बाजार क्षेत्र में विभिन्न प्रमुख मार्गो का यातायात सुगम और सुव्यवस्थित हो गया है और इससे आमजनों को यातायात जाम की समस्या से मुक्ति सहित लगातार त्वरित राहत प्राप्त हो रही है।

छग झेरिया यादव समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन 22 को

रायपुर। छग झेरिया यादव समाज द्वारा युवक युवती परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह का आयोजन 22 फरवरी रविवार को सुबह 11 बजे यादव समाज भवन महादेव घाट रायपुरा में आयोजित किया गया है। उक्त समारोह में 21 जोड़ों का विवाह करने का लक्ष्य रखा गया है। उक्त जानकारी प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में यादव समाज के प्रदेश सचिव सुंदर यादव ने दी। यादव ने पत्रकारवार्ता में बताया कि प्रथम सत्र के मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव होंगे। जबकि द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष जगनीक यादव करेंगे। जबकि विशिष्ठ अतिथि चंद्रपुर के विधायक रामकुमार यादव खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव, महापौर मीनल चौबे, महिला विंग अध्यक्ष आशा संतोष यादव सहित यादव समाज के गणमान्य सदस्य होंगे। अब तक 15 का पंजीयन हो चुका है। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया है।

संपादकीय

ताकाइची का वादा

प्रधानमंत्री साने ताकाइची इसे पसंद करती हैं कि उनकी तुलना ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर से की जाए। जिस तरह थैचर ने ब्रिटेन की दिशा बदल दी थी, कुछ वैसा ही करने का वादा ताकाइची ने किया है। लंबे समय बाद जापान में किसी नेता को दो तिहाई बहुमत मिला है। सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को ऐसी कामयाबी चार महीने पहले प्रधानमंत्री बनीं साने ताकाइची ने दिलाई। दरअसल, जितनी बड़ी जीत एलडीपी को इस बार मिली, उतना गुजरे 70 वर्षों में कभी नहीं हुआ। जापान में 1955 में नया संविधान लागू होने के बाद से एलडीपी 66 वर्ष सत्ता में रही है। सिर्फ दो बार ऐसे मौके आए, जब वह दो-दो वर्ष के लिए सत्ता से बाहर हुई। मगर पिछले डेढ़ दशक में पार्टी की लोकप्रियता लगातार गिरी थी। आर्थिक गतिरुद्धता, बढ़ती सामाजिक समस्याओं, और धुर दक्षिणपंथ के उदय के कारण हालिया चुनावों में उसे पूर्ण बहुमत से वंचित रहना पड़ा। इसीलिए रविवार को हुए चुनाव में उसे मिली बड़ी जीत ने दुनिया का ध्यान खींचा है। इससे ये बात पुष्ट हुई है कि उदारवाद और राष्ट्रवाद का उग्र एजेंडा पेश कर जापान के मतदाताओं में उत्साह पैदा करने में ताकाइची सफल रहीं। ताकाइची इसे पसंद करती हैं कि उनकी तुलना ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर से की जाए। जिस तरह थैचर ने ब्रिटेन की दिशा बदल दी थी, कुछ वैसा ही करने का वादा ताकाइची ने किया है। प्रधानमंत्री बनते ही ताइवान के सवाल पर उग्र बयान देकर चीन से टकराव बढ़ाते हुए उन्होंने देश में राष्ट्रवादी भावनाएं फैलाईं। इसे आगे बढ़ाते हुए उन्होंने सैन्य खर्च बढ़ाने का वादा किया। साथ ही जापान को परमाणु हथियार संपन्न देश बनाने के संकेत भी उन्होंने दिए। उधर आर्थिक मोर्चे पर हर तरह के टैक्स में कटौती का वादा किया। इसमें आय कर से लेकर उपभोग कर तक शामिल हैं। कहा कि यह सब बजट घाटा बढ़ाते हुए किया जाएगा। जहां लोग अर्थव्यवस्था की घटती गई प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता, घटती उत्पादकता, गिरते जीवन स्तर, और बढ़ती गैर-बराबरी से वर्षों से परेशान हों, वहां इस तरह के वादों ने जादुई असर किया, तो उसे समझा जा सकता है। वैसे विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि रक्षा क्षेत्र को छोड़ दें, तो बाकी वादों को पूरा करना आसान नहीं होगा। लेकिन ये बाद की बात है। फिलहाल, तो ताकाइची की लहर चली है।

अजित डोवाल को भी श्रेय

हरिशंकर व्यास

हिसाब से बातचीत वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल की टीम कर रही थी लेकिन श्रेय 'सबसे ऊपर से', प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को है तो उनके साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल को भी श्रेय दिया जा रहा है। गोयल ने समझौते की जानकारी देने के लिए जब पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस की तो उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अपनी दोस्ती का फायदा उठा कर भारत के लिए एक बहुत लाभकारी समझौता कराया है। सोचें, 140 करोड़ लोगों के देश की क्या हैसियत है, जब उसके प्रधानमंत्री को अपनी निजी दोस्ती के सहारे देश का काम कराना पड़ रहा है! गोयल के इस बयान के एक दिन बाद विदेशी मीडिया समूह ब्लूमबर्ग ने एक खबर दी, जिसे भारत में बड़े पैमाने पर प्रचारित किया गया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल पिछले साल सितंबर में अमेरिका के दौरे पर गए थे, जहां वे मार्को रूबियो से मिले। बताया गया है कि डोवाल ने रूबियो से कहा कि भारत किसी दबाव में समझौता नहीं करेगा। ब्लूमबर्ग की खबर के मुताबिक डोवाल ने कहा कि अगर जरुरत पड़ी तो भारत ट्रंप का कार्यकाल समाप्त होने तक इंतजार करेगा। खबर में यह भी बताया गया कि उससे ठीक पहले प्रधानमंत्री मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी। खबर के मुताबिक इससे अमेरिका दबाव में था और डोवाल की बातों ने ट्रंप प्रशासन को मजबूर किया कि वह भारत से समझौता करे। अब चाहे 'सबसे ऊपर के' मोदी की ट्रंप से दोस्ती के कारण हुआ या एनएसए डोवाल के दबाव के कारण हुआ या भारत के 140 करोड़ लोगों के विशाल बाजार की वजह से हुआ लेकिन समझौता हुआ तो उसमें क्या प्रावधान है, क्या शर्तें हैं यह भी किसी को पता नहीं है? सब कह रहे हैं कि किसानों और पशुपालकों के हितों से कोई समझौता नहीं किया गया है। लेकिन उधर अमेरिका में एक के बाद एक मंत्रियों ने दावा किया है कि उनके कृषि उत्पादों के लिए भारत का बाजार खुल रहा है। सबसे पहले राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीयर ने कहा कि भारत में अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बड़ा बाजार मिलेगा। इसके बाद अमेरिका की कृषि मंत्री ब्रुक रॉलिन्स ने भी कहा कि भारत का बड़ा बाजार अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए खुलेगा। भारत के बाजार में अपना माल बेचने के लिए अमेरिका में कृषि सेक्टर को और मजबूत करने की चर्चा शुरू हो गई है। इधर भारत में दूसरी ही बात कही जा रही है। इस बीच सूत्रों के हवाले से यह खबर भी आने लगी है कि भारत जेनेटिकली मोडिफायड फूड्स, सोयाबीन और गन्ना को छोड़ कर दूसरे उत्पादों के लिए कुछ ढील दे सकता है। प्रोसेस्ड फूड आइटम्स को भारत के बाजार में कम या जीरो शुल्क पर आने की मंजूरी मिल सकती है। ट्रंप का दो टूक कहना है कि भारत अब अमेरिकी सामान पर जीरो टैरिफ लगाएगा। ट्रंप बार बार कहते रहे हैं कि दुनिया भर के देश अमेरिका से अब तक कमाई करते रहे हैं और अमेरिका घाटा उठाता रहा है। अब यह नहीं चलेगा। सो, उन्होंने इसे बदल दिया है। अब अमेरिका विदेशी व्यापार से मुनाफा कमाएगा और अब तक जो देश मुनाफा कमा रहे थे वे नुकसान उठाएंगे। जाहिर है राष्ट्रपति ट्रंप ने अपना काम कर दिया है। वे भारत को नुकसान पहुंचवाएंगे जबकि अमेरिका मुनाफा कमाएगा! इसलिए फिर सवाल है प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार को पता है व्यापार सौदे में है क्या?

बांग्लादेश कैबिनेट में हिंदू मंत्रियों के होने के निहितार्थ

डा रमेश ठाकुर

पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में तारिक रहमान के रूप में नई सरकार शपथ ले चुकी है। खास बात ये है रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार में दो हिंदू सांसदों को मंत्री बनाया गया है। उनके इस निर्णय को भारत के साथ प्रत्यक्ष रूप से बिगड़े संबंधों को सुधारने की पहल के रूप में समूची दुनिया देख रही है। इस कदम से चीन-पाकिस्तान चिड़े भी हैं। वो नहीं चाहते कि बांग्लादेश भारत या उनसे वास्ता रखने लोगों को तवज्जो दे लेकिन, तारिक रहमान ने उनके नापाक मंसूबों को धता बताते हुए, बड़ी सूझ बूझ से कदम आगे बढ़ाया। बीते कुछ महीनों में 11 हिंदुओं के साथ हुई निर्मम बर्बरता ने बांग्लादेश की न सिर्फ थू थू करवाई बल्कि दशको से मधुर संबंधों को भी पटरी से उतार दिया था। इसको लेकर दोनों मुल्कों में तल्खियां बनी हुई थीं। रहमान जानते हैं अगर माहौल ऐसा ही बरकरार रहा, तो रिश्तो की दूरियां घटने वाली नहीं? ऐसी अखरती दुश्वारियों पर गौर करते हुए ही रहमान ने अपनी कैबिनेट में हिंदू समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सांसदों को अहम औहदे सौंपे ताकि रिश्तों में फिर से नरमी लाई जा सके। भारत ने भी उनके निर्णय को सराहा है।

गौरतलब है कि तारिक रहमान के आगाज से पूर्व बांग्ला-हिंदुओं पर किस तरह के अत्याचार हुए हैं और हो भी रहे हैं? ऐसी निदंनीय घटनाओं को तत्काल प्रभाव से रोकने की चुनौती तारिक रहमान के सामने अभी भी खड़ी है हालांकि, रोकने के लिए वह अपने कदम तेजी से बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री रहमान सबसे पहले पूर्व की अंतरिम सरकार के मुखिया रहे मोहम्मद यूनुस के अटपटे और संबंध बिच्छेद भरे निर्णयों की समीक्षा करेंगे। उनका झुकाव भारत को परेशान करने वाली पाकिस्तान-चीन की संयुक्त खुराफाती नीतियों की ओर ज्यादा रहा था। रहमान अच्छे से समझते हैं कि जबतक मोहम्मद यूनुस कार्यकारी प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने भारत के साथ संबंधों को बिगाड़ने की हर संभव कोशिशें कीं। कुछ उन्होंने की और कुछ दूसरे देशों ने करवाई? दूसरे देश कौन से हैं जिनके नाम लेने की शायद जरूरत नहीं? सभी जानते हैं।

प्रधानमंत्री तारिक रहमान भारतीय हुकूमत का साथ लेकर और अपनी कैबिनेट में अल्पसंख्यक हिंदू मंत्रियों की आमद के साथ बांग्लादेश में अगले पांच सालों तक समानांतर सरकार चलाना चाहते हैं। इसी को ध्यान में रखकर जब उनकी पार्टी बीएनपी चुनावों में जीती तो सबसे पहले वह अपने धुरविरोधी विपक्षी नेता और जमात-ए-इस्लामी प्रमुख शफीकुर रहमान के बिना बुलाए, ढ़लती शाम के बाद उनके आवास पहुंच गए। चुनावी गुस्सेबाजियों के इतर उनसे नई सरकार में सहयोग की गुजारिश करी। विपक्षी नेता ने भी राजनीतिक दुश्मनी छोड़कर उनका गर्मजोशी से अपने घर पर स्वागत किया। दरअसल, इस तरह की खूबसूरत परंपरा का प्रचार-प्रसार पूरे विश्व में होना चाहिए कि चुनाव बाद विपक्ष से सत्ता पक्ष को कैसे व्यवहार करना चाहिए। ये उन देशों के लिए सीख भी है जहां पक्ष-विपक्ष आपस में अनैतिक कुकर्मों की सभी सीमाएं लांघ रहे हैं। रहमान उस विपक्षी नेता के घर भी पहुंचे जिनकी पार्टी चुनावों में तीसरे स्थान पर रही। नेशनल सिटीजन पार्टी के नाहिद इस्लाम को भी गले लगाया और बांग्लादेश के विकास में उनसे भी सहयोग मांगा। राजनीति में ऐसी तस्वीरों का दिखना दुर्लभ होता है लेकिन बांग्लादेश में दिखी।

रहमान की जीत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का उन्हें भाई बताना और उनकी जीत की खुशी में फूल- मिठाइयां ढाका भेजना भी धूमिल संबंधों में रस भरने जैसा कहा जाएगा। साथ ही रहमान की शपथ में भारत सरकार की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का पहुंचना भी सुखद और नए संबंधों में नए सिरे से गढ़ने जैसा है। नए रंग में रिश्तों को रंगने की दरकार इसलिए भी महसूस होने लगी है क्योंकि बांग्लादेश के सत्यानाश के लिए जिस तरह से चीन-पाकिस्तान मिलकर घेराबंदी कर रहे हैं जिसका अंदाजा नवगठित सरकार के मुखिया को भी है। बांग्ला-हिंदू संबंध जितने बिगड़ेंगे, उतना फायदा ये दोनों मुल्क मिलकर उठाएंगे। पूर्व की कार्यकारी सरकार को इन्होंने कठपुतली की तरह इस्तेमाल किया। पाकिस्तान की शह पर बंगाली और हिंदुओं को खूब लड़ाया गया लेकिन संपन्न हुए 13वें राष्ट्रीय चुनाव में तीन हिंदू समुदाय के सांसद जीते हैं जिनमें निताई राय चौधरी को स्पीकर, चंटगांव से जीते अधिवक्ता दीपेन दीवान को पहाड़ी क्षेत्रों के संरक्षण के लिए मंत्री तो वहीं गोयेश्वर राय चौधरी को रेलमंत्री बनाया गया है।

बांग्लादेश में नवगठित हुकूमत के साथ करीब एक ड़ेढ़-सालों से दंगों का दंश झेल रहे देश में आखिरकार नई सुबह का आगाज हो चुका है। अवाम को इस दिन का लंबे वक्त से इंतजार था। वहां काफी जद्दोजहद और राजनीतिक अस्थिरता के बीच हुए आम चुनावों में बीएनपी ने बड़े मार्जिन से विजय हासिल की है। कुल संसदीय 298 सीटों में 297 पर चुनाव हुए, उनमें से रिकॉर्ड 209 सीटें बीएनपी ने जीतीं। दूसरे नंबर पर जमात-ए-इस्लामी पार्टी रही जिसने 68 सीटें जीतीं। तारिक रहमान की नई कैबिनेट में डॉ. खलीलुर रहमान को विदेश मंत्री, सलाहुद्दीन अहमद को गृह मंत्री, डा. अमीर खसरू महमूद को वित्त एवं प्लानिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुल मिलाकर तारिक रहमान ने शिक्षित और बुद्धिजीवी लोगों से अपनी कैबिनेट को सजाया है । कैबिनेट में कुल 50 मंत्री हैं जिनमें 25 कैबिनेट और 24 राज्य मंत्री शामिल हैं।

छात्रों और चूल्हे के बीच खड़ी शिक्षिका

डॉ. प्रियंका सौरभ

समाज में कुछ धारणाएँ इतनी गहरी पैठ बना लेती हैं कि वे सवालों से परे सत्य मान ली जाती हैं। अध्यापिका की नौकरी तो सबसे आराम की है—यह वाक्य भी ऐसी ही एक सामाजिक मान्यता है, जिसे दोहराते हुए लोग शायद कभी ठहरकर यह नहीं सोचते कि इसके पीछे कितनी अधूरी समझ और कितनी गहरी उपेक्षा छिपी है। महिला शिक्षिका का जीवन इस धारणा का सबसे सशक्त, लेकिन सबसे कम सुना गया प्रतिवाद है।

एक महिला शिक्षिका का दिन अलार्म की आवाज़ से नहीं, बल्कि ज़िम्मेदारियों की सूची से शुरू होता है। घर के बाकी सदस्य अभी नींद में होते हैं, तब वह चाय चढ़ा रही होती है, टिफ़िन पैक कर रही होती है, बच्चों को जगा रही होती है और यह सुनिश्चित कर रही होती है कि रसोई में कुछ भी अधूरा न रह जाए। उसके लिए सुबह की तैयारी केवल खुद को तैयार करना नहीं, बल्कि पूरे घर को चलने लायक बनाना है। इसके बाद वह अपने पेशेवर चेहरे के साथ घर से निकलती है, लेकिन उसकी चिंताएँ दरवाज़े पर रुकती नहीं हैं। गैस बंद हुई या नहीं, गीजर का स्विच ऑफहै या नहीं—ये सवाल बस या ऑटो की भीड़ में भी उसके साथ चलते हैं।

विद्यालय पहुँचते ही उससे अपेक्षा की जाती है कि वह पूर्णतः एक आदर्श शिक्षिका में बदल जाए। उसकी घरेलू थकान, निजी उलझनें और भावनात्मक दबाव—सबको जैसे विद्यालय के गेट पर ही छोड़ देना अनिवार्य है। वहाँ उसे मुस्कुराना है, संयमित रहना है, बच्चों के सवालों का धैर्यपूर्वक उत्तर देना है और हर परिस्थिति में खुद को संतुलित दिखाना है। यह भावनात्मक श्रम, जिसे न वेतन पर्ची में गिना जाता है और न ही किसी मूल्यांकन में, उसकी नौकरी का सबसे भारी और सबसे अदृश्य हिस्सा है।

विडंबना यह है कि विद्यालय के भीतर भी समानता का दावा अक्सर अधूरा साबित होता है। खाली पीरियड, जिसे आराम या आत्मविकास का समय माना जाना चाहिए, महिला शिक्षिका के लिए प्रायः कॉपियों के ढेर, रिकॉर्ड्स की फाइलें और अतिरिक्त जिम्मेदारियों में बदल जाता है। दूसरी ओर, यही समय कई पुरुष सहकर्मियों के लिए अनौपचारिक चर्चाओं, चाय की चुस्कियों या विश्राम का अवसर बन जाता है। यह अंतर किसी लिखित नियम में दर्ज नहीं है, लेकिन व्यवहार में गहराई से मौजूद है।

शाम को जब वह घर लौटती है, तो उसकी दूसरी पारी शुरू होती है। अब वह शिक्षिका नहीं, बल्कि रसोइया, देखभालकर्ता, प्रबंधक और हर समस्या की समाधानकर्ता बन जाती है। उसके कंधे पर बैग का बोझ और हाथों में सब्ज़ियों की थैलियाँ होती हैं, लेकिन उससे अपेक्षा की जाती है कि चेहरे पर थकान की एक रेखा भी न दिखे।

क्योंकि अगर थकान दिखी, तो ताना तैयार है—
कहा था न, तुमसे नहीं हो पाएगा।

सबसे पीड़ादायक क्षण तब आता है, जब वह कभी अपने बोझ को शब्दों में ढालने की कोशिश करती है। अगर इतनी दिक्कत है तो नौकरी छोड़ क्यों नहीं देती? यह वाक्य सुनने में भले ही साधारण लगे, लेकिन इसके भीतर स्त्री की शिक्षा, उसकी महत्वाकांक्षा और उसके आत्मसम्मान का गहरा अवमूल्यन छिपा है। यह मान लिया जाता है कि उसकी नौकरी एक विकल्प है, एक शौक है, जिसे वह चाहे तो छोड़ सकती है। यह भुला दिया जाता है कि उसकी डिग्रियाँ—एम.ए., बी.एड. और उनके पीछे की रात-रात भर की मेहनत—सिर्फ़ सजावट नहीं, बल्कि उसके अस्तित्व और पहचान का हिस्सा हैं।

यह प्रश्न भी उतना ही ज़रूरी है कि क्या आज भी एक महिला की उच्च शिक्षा को केवल अच्छी शादी और संस्कारवान बच्चों तक सीमित करके देखा जाएगा? क्या उसकी बौद्धिक क्षमता और पेशेवर योगदान का मूल्य केवल तब तक है, जब तक वह पारिवारिक अपेक्षाओं से टकराता नहीं? ये सवाल केवल शिक्षिकाओं के नहीं, पूरे समाज के हैं।

आज के आर्थिक यथार्थ में महिला शिक्षिका की नौकरी कोई विलासिता नहीं है। बढ़ती महँगाई, ईएमआई, बच्चों की स्कूल फीस और स्वास्थ्य खर्च—इन सबके बीच उसका वेतन परिवार की रीढ़ बन चुका है। वह नौकरी इसलिए नहीं करती कि उसे घर से भागना है, बल्कि इसलिए करती है ताकि उसका घर सम्मान और स्थिरता के साथ चल सके।

इसके बावजूद, उसकी कमाई को अक्सर सहायक आय कहकर छोटा कर दिया जाता है, मानो उसका योगदान वैकल्पिक हो।

भावनात्मक स्तर पर भी उसका संघर्ष कम नहीं है। सबको समय देने की कोशिश में वह खुद से सबसे ज़्यादा समझौता करती है। बच्चों के प्रोजेक्ट, छात्रों की कॉपियाँ, परिवार की ज़रूरतें और सामाजिक अपेक्षाएँ—इन सबके बीच उसके अपने सपने, उसकी थकान और उसकी इच्छाएँ कहीं पीछे छूट जाती हैं। आईने में झलकते सफ़ेद बाल और आँखों के नीचे के काले घेरे उसे याद दिलाते हैं कि जिस परफेक्शन की दौड़ में वह लगी रही, उसने उसे खुद से दूर कर दिया।

फिर भी, अगली सुबह अलार्म बजते ही वह फिर उठेगी।

यह उसकी विवशता भर नहीं, उसकी ताकत भी है।

लेकिन इस ताकत को स्वाभाविक मान लेना सबसे बड़ी भूल है। समाज को यह समझना होगा कि महिला शिक्षिका का धैर्य असीम नहीं है और उसका समर्पण शोषण का आधार नहीं बन सकता।

यह संपादकीय किसी एक शिक्षिका की कहानी नहीं, बल्कि लाखों महिलाओं की सामूहिक गाथा है। यह एक आह्वान है—नीतिनिर्माताओं, शैक्षणिक संस्थानों, परिवारों और स्वयं समाज से—कि वे महिला शिक्षिकाओं के श्रम को सिर्फ़ स्वीकार ही न करें, बल्कि उसका सम्मान भी करें। सहायक नीतियाँ, समान कार्य-वितरण और सबसे बढ़कर संवेदनशील दृष्टि विकसित करना आज की अनिवार्य आवश्यकता है।

अंततः, शिक्षिका वह नींव है जिस पर पीढ़ियाँ खड़ी होती हैं।

अगर वही नींव थकी हुई, उपेक्षित और अनसुनी रहेगी, तो समाज की इमारत कैसे मजबूत होगी? यह समय है कि हम शिक्षिकाओं को केवल समर्पित कहकर आगे न बढ़ जाएँ, बल्कि उनके जीवन की वास्तविकताओं को समझें—और उन्हें वह सम्मान दें, जिसकी वे वास्तव में हक़दार हैं।

विश्व-रंग: फ्रिट्ज हाबर : रासायनिक युद्ध का जनक वैज्ञानिक

डॉ. सुधीर सक्सेना

वह कुलीन यहूदी परिवार में जन्मा था। पिता नगर के धनाढ्य और गणमान्य व्यक्ति थे। वह कुल चार भाई-बहन थे। वह कुशाग्र बुद्धि था और उसमें बचपन से ही कुछ नया और अलहदा कर गुजरने की तड़प थी। पिता चाहते थे कि बेटा उनके नक्शे-पा चले, लेकिन पूत के पाँव पालने में देख उन्होंने उसकी इच्छापूर्ति में बाधा नहीं डाली।

पूरा नाम फ्रिट्ज जैकब हाबर। जन्म हुआ 9 दिसंबर, सन 1868 को उत्तरी जर्मन परिसंघ के प्रूशिया साम्राज्य के सिलेसिया प्रांत में ब्रेस्लाऊ में व्यापारिक घराने में। हैबर-परिवार ब्रेस्लाऊ के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित परिवारों में एक था। पिता सिग्फ्राइड और माँ पौला की दो ही संतानें थीं : पुत्र फ्रिट्ज और पुत्री एल्सी। पुत्र फ्रिट्ज बड़ा होकर सफल और विख्यात वैज्ञानिक बना। अपार शोहरत। अपार धन। वह गजब का कीमियागर था। फलतः उसे सन 1918 में रसायन-विज्ञान का नोबेल पुरस्कार मिला। हैबर-बॉश प्रक्रिया के लिए इस पुरस्कार मिला। उसे हैबर-बॉश प्रक्रिया के लिए इस पुरस्कार से नवाजा गया। यह प्रक्रिया रसायन-उद्योग में नाइट्रोजन और हाइड्रोजन गैस से अमोनिया के संश्लेषण में प्रयुक्त विधि है। मार्के की बात यह है कि हैबर ने अपने आविष्कार से फसलों और युद्ध का नक्शा बदल दिया। एक ओर जहां उसकी ईजाद से अन्न उत्पादन में कई गुना इजाफा हुआ, वहीं उसका आविष्कार युद्ध के मोर्चे पर फतह और अनगिन मौतों का बायस बना। उसकी वैज्ञानिक विरासत खेलों में विपुल उत्पादन से करोड़ों लोगों को भोजन मुहैया करने तक ही नहीं फैली है, बल्कि वह लाखों निर्दोषों और निरपराधों की गैस चैंबरों में मौत के जघन्य पाप तक फैली हुई है।

फ्रिटज हाबर की जीवन गाथा में नेकी और बदी की चरम इच्छाओं के उजले और स्याह धागे आपस में भी संश्लिष्ट है। उसका वैवाहिक जीवन अशांति और अनहोनी से बिंधा रहा और उसका अंत एकाकीपन में वतन से दूर हुआ। यही नहीं, उसने लानतें झेलीं और तिरस्कार भी। वह हिटलर का प्रशंसक और भक्त था तथा स्वयं को गर्व से राष्ट्रवादी जर्मन कहता था। उसने यहूदी धर्म का परित्याग कर बपतिस्मा भी ले लिया था, लेकिन नाजियों ने उसे अपना नहीं माना। विवश होकर उसे जर्मनी छोड़ना पड़ा। यही नहीं, उसने घातक रसायनों के जरिये मौत का जो खतरनाक खेल ईजाद किया था, उसकी नृशंस और वीभत्स परिणति भयावह होलोकास्ट में हुई। नाजियों ने गैस चैंबरों के जरिये लाखों यहूदियों को निर्दयतापूर्वक मौत के घाट उतार दिया। विश्व इतिहास में चुनिंदा वैज्ञानिकों में शुमार फ्रिट्ज हाबर को केमिकल वारफेयर (रासायनिक युद्ध कर्म) के जनक के तौर पर याद किया जाता है। फ्रिट्ज के पिता का रंग-रोगन, दवा और रंगाई का कारखाना था और वह चाहते थे कि बेटा उनका कारोबार संभाले, लेकिन बेटा कीमियागर बनने को आतुर था। परिवार कर्मकांडी न होकर भी यहूदी था, लिहाजा जोहानियम स्कूल में प्राथमिक शिक्षा के बाद वह जिस सेंट एलिजाबेथ स्कूल में भर्ती हुआ, वहां प्रोटेस्टैंटों और यहूदियों के लिए पृथक कक्षाओं की व्यवस्था थी। परिवार व अन्य यहूदियों के विपरीत फ्रिट्ज स्वयं को सगर्व जर्मन दर्शाता था। वहां से निकलने पर पिता ने उसकी इच्छानुरूप उसे रसायन विज्ञान पढ़ने के लिए बर्लिन स्थित फ्रैड्रिख विल्हेम यूनिवर्सिटी में भेज दिया। पहले सेमिस्टर की हताशा उसे सन 1887 की ग्रीष्म में हाइडेलबर्ग विश्वविद्यालय ले गयी, जहां उसे राबर्ट बुन्सेन ने पढ़ाया। वहां से वह बर्लिन लौटकर टेक्नीशे होष्शूले शार्लोटेन्बर्ग में भर्ती हुआ। सन 1889 में सैन्य नोंदणी के बाद वह छठवीं फील्ट आर्टिलरी रेजीमेंट में एक वर्ष की वालंटियर सेवा में भर्ती हो गया। एक साल बाद वह शार्लोटेन्बर्ग लौटा और कार्ल लीबरमान का शिष्यत्व ग्रहण कर लिया। कार्ल के कार्बनिक रसायन के लेक्चरों के साथ-साथ वह रंगों की रसायन प्रौद्योगिकी पर आटो बिट्ट के लेक्चर भी अटेन्ड करता था। लीबरमैन द्वारा प्रदत्त विषय पर गहन शोध के फलस्वरूप उसे मई, 1891 में यूनिवर्सिटी ऑफ बर्लिन से डॉक्टरेट की उपाधि मिल गयी।

इस तरह रसायनज्ञ होकर फ्रिट्ज घर लौट आया, किंतु घर में सब सुकर न था। पिता और उनके रिश्तों में खटास थी और इसकी खासी वजह थी। हुआ यह कि फ्रिट्ज के जन्म पर पौला को प्रसव में परेशानी हुई। फलतः तीन हफ्ते बाद उसने प्राण त्याग दिये। मातृहीन फ्रिट्ज को चाचियों ने पाला। फ्रिट्ज जब छह वर्ष का हुआ, उसके व्यथित पिता ने दूसरी शादी कर ली। हेडविग हैम्बरर्गर से उसे तीन बेटियां हुईं। फ्रिटज का जन्म और पत्नी की मौत का संदर्भ सिग्फ्राईड कभी भुला नहीं सके। फ्रिट्ज ने विमाता और बहनों से किसी तरह पटरी बिठाये रखी। रिश्ते कैसे भी रहे हों, उसे पिता के रसूख का खूब लाभ मिला। उनकी बदौलत उसे बड़े कारखानों और आसवनी में काम का मौका मिला। पिता की मनुहार कर वह एक सेमेस्टर के लिए ज्यूरिख के पॉलीटेक्नीक कॉलेज में जार्ज लुंग के साथ अध्ययन हेतु भर्ती हो गया। वहां से लौटकर पिता के काम में हाथ बँटाने वह ब्रेस्लाऊ लौटा, लेकिन पिता-पुत्र के रिश्तों में बल पड़ते गये। पिता को पुत्र का प्राकृतिक के बजाय कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल का सुझाव फला, किंतु हैजे की महामारी पर थोक में कैल्शियम हाइपोक्लोराइट खरीदने से हुये नुकसान से पुत्र को पिता ने घर से रूख्सत कर दिया।

पिता से विच्छेद के बाद उसकी नयी पारी शुरू हुई। वह स्वयं को यहूदी कम, जर्मन अधिक मानता था। सन 1892-94 के दरम्यान वह जेना विश्वविद्यालय में लुडविग नॉर का सहायक रहा। इसी दरम्यान वह यहूदी से ईसाइयत के लूथर संप्रदाय में दीक्षित हुआ। मकसद था बेहतर करियर। लुडविग ने उसकी सिफारिश काल्सरूहे विश्वविद्यालय में कार्ल एंग्लर से की और कार्ल ने हैंस बुन्हे से, जिसने उसे अपना सहायक बना लिया। वहीं उसने हाइड्रोकार्बनों की पुनर्वास थीसिस प्रस्तुत की। इस पर उसे अध्ययन का दायित्व मिला और संस्थान ने रंगरेजी की प्रौद्योगिकी के अध्ययन हेतु उसे बाहर भेजा। विद्युत रासायनिकी के उच्च अध्ययन और शोध के लिये वह एक बार फिर बाहर गया। अध्ययन और अनुसंधान तथा ख्याति का यह क्रम चलता रहा। वह असोशियेट प्रोफेसर बना और ग्रांड ड्यूक फ्रेडरिख वॉन बाडेन ने उसे एक्स्ट्राऑर्डिनेरियस से विभूषित किया। जल्द ही वह कार्ल्सरूहे में भौतिक रसायन का प्रोफेसर बन गया। सन 1894 से सन 1911 के दरम्यान लगातार प्रयोगों के बाद उसने उच्च दाब और ताप से अमोनिया के उत्प्रेरकीय-निर्माण में सफलता अर्जित की, जिससे सन 1894 में प्रस्तुत ली शतेलिये के सिद्धांत पुष्टि हुई। अमोनिया के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए उसने बास्फ के कार्ल बाश से भागीदारी की। नतीजा सार्थक रहा। औद्योगिक रसायन में हाबर-बॉश प्रक्रिया मील का पत्थर मानी गई। अब तक कृषि उत्पादन प्राकृतिक अमोनिया पर निर्भर था, कृत्रिम अमोनिया के उत्पादन ने उर्वरक-परिदृश्य को बदल दिया। अन्न उत्पादन में क्रांति हुई। अनुमान है कि इससे विश्व की आधी आबादी को भूख से निजात मिली। आज संश्लेषित नत्रजन-उर्वरकों का उत्पादन 100 मिलियन टन से ज्यादा है। विश्व की आधी से अधिक आबादी के लिए अन्न उत्पादन इन्हीं उर्वरकों पर अवलंबित है और यह हाबर-बॉश प्रक्रिया से संभव हो सका है। यह है हाबर के व्यक्तित्व का सकारात्मक पहलू, लेकिन उसके व्यक्तित्व का एक और विलोम पहलू भी है। इसी की बदौलत उसे रासायनिक युद्धकर्म का जनक कहा जाता है। फ्रिटज को प्रथम विश्वयुद्ध में क्लोरीन और जहरीला गैसों को आयुध के तौर पर इस्तेमाल का श्रेय जाता है। उसने पहले पहल वायु से गुरू (भारी) क्लोरीन का लाम पर उपयोग की पहल की। यप्रेस की दूसरी जंग में फ्रेंच और अल्जीरियाई सैनिकों ने खंदकों का अलंध्य मोर्चा बांध रखा था।

घर के मुख्य द्वार पर गणेश प्रतिमा रखते समय न करें ये गलतियां

वैसे तो वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के मुख्य द्वार पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा स्थापित करना शुभ माना जाता है, क्योंकि वे विघ्नहर्ता हैं और घर को बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा से बचाते हैं। यदि आप भी गणेश चतुर्थी के अवसर पर नवीन गृह प्रवेश कर रहे हैं या घर में तथा घर के दरवाजे पर श्रीगणेश की प्रतिमा या मूर्ति स्थापित करने की सोच रहे हैं तो कुछ नियम जान लेना उचित होगा। वास्तु शास्त्र में इसके लिए कुछ नियम बताए गए हैं, जिनका पालन करना महत्वपूर्ण है। यदि इन नियमों का पालन न किया जाए, तो यह नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। यहां कुछ गलतियां दर्शाई जा रही हैं जो घर के मुख्य द्वार पर गणेश प्रतिमा रखते समय नहीं करनी चाहिए:

1. गलत दिशा:

■ वास्तु शास्त्र के अनुसार, मुख्य द्वार पर गणेश प्रतिमा लगाने के लिए उत्तर, पूर्व या ईशान (उत्तर-पूर्व) दिशा सबसे शुभ मानी जाती है।

■ दक्षिण दिशा की ओर गणेश प्रतिमा का मुख नहीं होना चाहिए, क्योंकि इस दिशा को नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश द्वार माना जाता है। यदि मुख्य द्वार दक्षिण में है, तो प्रतिमा इस प्रकार लगाएं कि उनका मुख घर के अंदर की ओर हो।

■ पश्चिम दिशा भी मुख्य द्वार पर गणेश प्रतिमा लगाने के लिए बहुत अनुकूल नहीं मानी जाती है। यदि इस दिशा में द्वार है, तो वास्तु विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित है।

2. पीठ का ध्यान न रखना:

■ यह सुनिश्चित करें कि गणेश प्रतिमा की पीठ घर के बाहर की ओर हो। उनकी पीठ घर की ओर होना शुभ नहीं माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि गणेश जी की पीठ में दरिद्रता का वास होता है।

■ यदि आप दो गणेश प्रतिमाएं मुख्य द्वार पर लगा रहे हैं, तो उन्हें इस प्रकार लगाएं कि दोनों की पीठ एक-दूसरे की ओर हो, न कि घर की ओर।

3. टूटी या खंडित प्रतिमा:

■ कभी भी टूटी हुई या खंडित गणेश प्रतिमा को मुख्य द्वार पर न रखें। वास्तु शास्त्र में खंडित मूर्तियों को अशुभ माना जाता है।

4. गलत मुद्रा:

■ मुख्य द्वार पर बैठी हुई मुद्रा वाली गणेश प्रतिमा लगाना शुभ माना जाता है, जो स्थिरता और शांति का प्रतीक है।

■ खड़ी मुद्रा वाली प्रतिमा को प्रवेश द्वार पर लगाने से बचें, क्योंकि यह ऊर्जा के प्रवाह को अस्थिर कर सकती है।

■ लेटी हुई मुद्रा वाली गणेश प्रतिमा घर के अंदर शयन कक्ष में लगाई जाती है, मुख्य द्वार पर नहीं।

5.सूंड़ की दिशा:

■ गणेश प्रतिमा की सूंड़ का भी वास्तु में महत्व है। घर के मुख्य द्वार के लिए बाईं ओर मुड़ी हुई सूंड़ वाली प्रतिमा को अधिक शुभ माना जाता है, जो सुख और समृद्धि का प्रतीक है। दाईं ओर मुड़ी हुई सूंड़ वाली प्रतिमा को सिद्धि विनायक माना जाता है और इसकी पूजा के नियम थोड़े कठिन होते हैं, इसलिए इसे घर के अंदर मंदिर में स्थापित करना अधिक उचित है।

रात में सोने से पहले कर लें ये 3 काम

आजकल ज्यादातर लोग रात में सोने से पहले अपने फोन को ही स्क्रॉल करते रहते हैं। कई बार तो ये आदत इतनी बढ़ जाती है कि 10 मिटन से कब एक-दो घंटे हो जाते हैं, कुछ पता ही नहीं चलता है। इसका असर ना सिर्फ हमारी नींद पर पड़ता है, बल्कि मन और शरीर भी थकान महसूस करते हैं। वास्तु शास्त्र के कुछ नियमों के अनुसार अगर हम सोने से पहले कुछ अच्छी आदतों को अपना लें तो घर की नेगेटिव एनर्जी दूर हो जाती है। इन आदतों के चलते ही जिंदगी में पॉजिटिविटी और बरकत आती है। साथ ही सही नियम का पालन करने से हमारी मन भी शांत रहने लगता है शरीर भी सही रहता है। आज जानेंगे वास्तु शास्त्र के उन तीन आसान से नियमों के बारे में जो हमें सोने से पहले जरूर करने चाहिए ताकि हमारी जिंदगी में सुख-शांति बनी रहें और घर में पॉजिटिव एनर्जी बनी रहें।

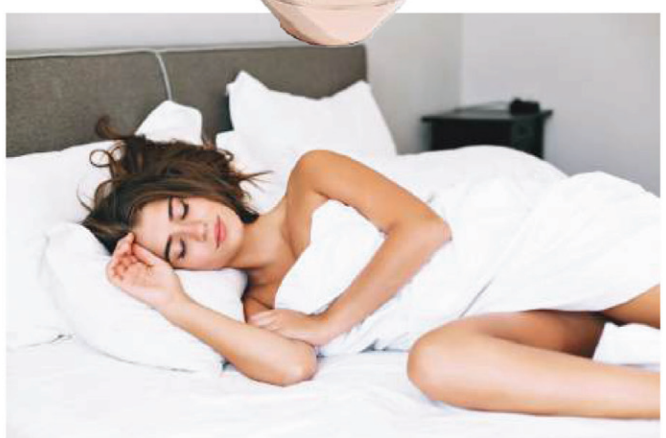

1 वास्तु शास्त्र के नियम के हिसाब से सोने से पहले ड्रॉवर के पास हमें तांबे का एक कलश रखना चाहिए,क्योंकि इससे मन शांत रहता है। साथ ही नींद भी अच्छी आती है। ये कलश साइज में छोटा या बड़ा हो सकता है। इसमें साफ पानी भरकर रख दें और फिर सो जाएं। नियम के अनुसार ऐसा करना बहुत ही शुभ होता है। जिन लोगों को नींद से जुड़ी दिक्कत होती है, उन्हें ये उपाय जरूर करना चाहिए। सुबह उठने के बाद इस कलश के पानी को अपने गार्डन एरिया में डाल देना चाहिए।

2 कई लोग किचन में जूठे बर्तन छोड़ देते हैं कि अगली सुबह इन्हें साफ कर लिया जाएगा। ऐसा करना गलत है। अगर सोने से पहले किचन में जूठे बर्तन छोड़े जाते हैं तो इससे घर में नेगेटिविटी आती और घर का वास्तु भी खराब होता है। ऐसे में सोने से पहले ये सुनिश्चित करना चाहिए कि सारे बर्तन साफ कर लिए जाए। इसके अलावा सोने से पहले किचन को भी साफ करना शुभ माना जाता है। वास्तु के अनुसार ऐसा करने से घर में धन-धान्य की कोई भी कमी नहीं होती है और बरकत भी आती है।

3 सबसे जरूरी बात है कि आप किस दिशा की ओर सो रहे हैं। वास्तु शास्त्र में दिशा का बहुत ही महत्व होता है। ऐसे में सही दिशा में सोना जरूरी है। वास्तु शास्त्र के अनुसार उत्तर दिशा की ओर सिर रखकर सोने से हर किसी को बचना चाहिए। जब भी उत्तर दिशा में सोया जाएगा तो पैर दक्षिण दिशा की ओर होंगे, जोकि अच्छा नहीं माना जाता है। ये भी सुनिश्चित कर लें कि आपका बेड उत्तर-पूर्व दिशा की ओर ना हो।

हेयरस्टाइल को बनाते समय इस ट्रिक को जरूर फॉलो करें

काफी सारी लेडीज जिनकी एज 30 के ऊपर होने लगती है। अक्सर उनका लुक अपनी एज से ज्यादा नजर आने लगता है। दरअसल, आपके एज वाले लुक का कारण कई बार हेयरस्टाइल होती है। अगर आप यूथफुल डिजाइन वाले हेयरस्टाइल बनाती हैं तो इंस्टेंटली अपनी एज से कम उमर की नजर आएंगी। और काफी सारे मेकअप आर्टिस्ट इस बारे में नहीं बताते। लेकिन फेस पर लिफ्टेड लुक चाहिए तो हेयरस्टाइल बनाते समय बस इस सिंपल ट्रिक को ट्राई करें।

हेयरस्टाइल बनाने का ये तरीका

अगर आप थोड़ा गर्ली लुक क्रिएट करना चाहती हैं। या फेस पर यूथफुल इफेक्ट चाहती हैं तो हेयरस्टाइल को इग्नोर ना करें। थोड़ा गर्ली लुक क्रिएट करने वाली हेयरस्टाइल आपको इंस्टेंट तरीके से एज से कम दिखाने में मदद करेगी।

यंग लुक के लिए हेयरस्टाइल सीक्रेट

हेयरस्टाइल से खुद को यंग दिखाने का सीक्रेट कंटेंट क्रिएटर फैजा शोएब ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। फैजा ने बताया है कि कैसे कानों के पास साइड वाले हेयर को ऊपर की तरफ हल्का पुल करके पिन से सेट कर लिया जाए और फिर किसी भी तरह ही हेयरस्टाइल को क्रिएट करें। तो ऐसा करने से चिक बोंस के साथ साइड से फेस ना केवल ज्यादा अपलिफ्ट नजर आता है। बल्कि इंस्टेंटली आप उम्र से कम भी नजर आने लगती है। खासतौर पर जिन लेडीज का फेस हैवी है उन्हें ये खींचकर हेयरस्टाइल बनाने की ट्रिक को जरूर फॉलो करना चाहिए। इससे फेस ना केवल थोड़ा स्लिम दिखेगा बल्कि यंग और अपलिफ्ट नजर आएगा।

बनाएं ये हेयरस्टाइल

फ्रंट पार्टीशन हेयरस्टाइल बनाना चाहती हैं तो बालों को फ्रंट से दो सेक्शन में कर लें। फिर वन साइड के बालों में टेंपल एरिया के बालों को कंघी करके निकालें और इन्हें पीछे की तरफ ले जाकर पिन से सेट कर लें। या फिर दोनों तरफ से टेंपल एरिया के बालों को खींचकर पीछे की ओर ले जाकर रबरबैंड से फिक्स कर लें। फिर फ्रंट के बालों को कंघी से सेट करके उन्हें पीछे की तरफ पिनअप करें या फिर साइड पार्टीशन करके छोड़ दें।

नाइट स्किन केयर का आसान फॉर्मूला

हर कोई चाहता है कि उसका चेहरा साफ, चमकदार और हेल्दी दिखे, लेकिन प्रदूषण, धूल-मिट्टी और बिजी लाइफस्टाइल स्किन की चमक छीन लेते हैं। ऐसे में लोग महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, रात का समय स्किन रिपेयर के लिए सबसे बेहतर होता है और कुछ घरेलू चीजों का नियमित इस्तेमाल चेहरे की रंगत निखार सकता है।

रात का समय क्यों है स्किन के लिए खास

दिनभर स्किन धूप, धूल और प्रदूषण के संपर्क में रहती है। रात के समय शरीर और त्वचा खुद को रिपेयर करती है। इसी वजह से अगर सोने से पहले सही चीजें लगाई जाएं, तो उनका असर ज्यादा बेहतर दिखाई देता है।

1. कच्चा दूध: नेचुरल क्लींजर और ग्लो बूस्टर

कच्चा दूध लंबे समय से स्किन केयर में इस्तेमाल होता आ रहा है। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा को साफ करने और निखारने में मदद करता है। इस्तेमाल के लिए 1-2 चम्मच कच्चा दूध लें, रुई की मदद से चेहरे पर लगाएं और सूखने दें। चाहें तो इसे दोबारा लगाकर 20 मिनट बाद ठंडे पानी से धो सकते हैं या रातभर छोड़ सकते हैं। इससे चेहरे की गंदगी निकलती है और टैनिंग कम होती है।

2. बादाम का तेल: ड्रायनेस और डार्क सर्कल्स का समाधान

अगर चेहरा रूखा लगता है या आंखों के नीचे काले घेरे हैं, तो बादाम का तेल फायदेमंद हो सकता है। इसमें विटामिन-ई भरपूर मात्रा में होता है, जो त्वचा को पोषण देता है। रात को 2-3 बूंद बादाम का तेल चेहरे पर लगाकर हल्के हाथों से थपथपाएं और आंखों के नीचे हल्की मसाज करें। यह स्किन में नमी लाकर नेचुरल ग्लो देता है।

3. एलोवेरा जेल: हर स्किन टाइप के लिए फायदेमंद

एलोवेरा जेल को स्किन के लिए फायदेमंद माना जाता है। यह त्वचा को ठंडक, नमी और राहत देता है। सोने से पहले चेहरा धोकर फ्रेश एलोवेरा जेल लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। इसे रातभर लगा रहने दें। इससे कील-मुंहासों के दाग हल्के हो सकते हैं और त्वचा मुलायम बनती है।

टमाटर से बना हलवा

टमाटर का हलवा न सिर्फ टेस्ट में बेहतरीन होता है, बल्कि पोषण से भरपूर भी होता है। बच्चों से लेकर बड़ों तक, यह स्वीट डिश सभी को खूब पसंद आती है। अगर आप वीकेंड पर किचन में कुछ नया एक्सपेरिमेंट करना चाहते हैं, तो टमाटर का हलवा एक परफेक्ट ऑप्शन है। आइए जानते हैं इसे

लौकी और गाजर का हलवा आपने कई बार खाया होगा, लेकिन अगर हर बार वही स्वाद खाकर बोर हो गए हैं, तो इस बार कुछ हटकर ट्राई कीजिए। टमाटर से बना हलवा सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन इसका स्वाद इतना लाजवाब होता है कि एक बार खाने के बाद हर कोई इसकी तारीफ किए बिना नहीं रह पाएगा। आमतौर पर टमाटर का इस्तेमाल स जी, सलाद या चटनी में किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इससे स्वादिष्ट मीठा भी बनाया जा सकता है?

बनाने की आसान रेसिपी।

टमाटर का हलवा बनाने की सामग्री

टमाटर - 10 से 12,चीनी - 2 कप,घी - आधा कप,काजू - 20,किशमिश - 2 चम्मच,हरी इलायची - 6,लौंग - 4,तुलसी के पत्ते - 1/4 कप,गुलाब की पंखुड़ियां - 1/4 कप

टमाटर का हलवा बनाने की विधि

स्टेप 1 - सबसे पहले टमाटरों को अच्छी तरह धो लें। ऊपर से डंठल निकालें और नीचे हल्का सा क्रॉस कट लगाएं। अब इन्हें उबलते पानी में 2-3 मिनट के लिए डाल दें। जब छिलका ढीला हो जाए, तो टमाटर निकालकर छील लें और बीज अलग कर दें। गूदा और रस एक तरफ रख दें।

स्टेप 2 - हरी इलायची को 1 चम्मच चीनी के साथ कूटकर बारीक पाउडर बना लें। कढ़ाई में 2 चम्मच घी डालकर काजू और किशमिश को हल्का सुनहरा होने तक भून लें और अलग निकाल लें। तुलसी के पत्तों और गुलाब की पंखुड़ियों को धोकर बारीक काट लें।

स्टेप 3 - एक बर्तन में आधी चीनी और आधा कप पानी डालकर हल्की चाशनी तैयार करें। दूसरी ओर कढ़ाई में घी गरम करें, उसमें लौंग डालें और फिर टमाटर का गूदा डालकर धीमी आंच पर पकाएं। जब टमाटर का पानी सूख जाए और मिश्रण गाढ़ा होने लगे, तब अगला स्टेप करें।

स्टेप 4 - अब आंच थोड़ा तेज करें और तैयार चाशनी को धीरे-धीरे टमाटर के मिश्रण में मिलाएं। लगातार चलाते रहें। जब हलवा कढ़ाई छोड़ने लगे और अच्छी खुशबू आने लगे, तो समझ लें कि हलवा तैयार है।

स्टेप 5 - अंत में इलायची पाउडर, तुलसी के पत्ते और गुलाब की पंखुड़ियां डालें। ऊपर से भुने हुए काजू और किशमिश डालकर अच्छी तरह मिलाएं। गरमागरम टमाटर का हलवा परोसें।

छाती में दुर्लभ सिस्ट से पीड़ित मरीज की रोबोटिक सर्जरी

परेल स्थित ग्लेनेईगल्स अस्पताल में 43 वर्षीय मरीज राहुल जगताप का अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी द्वारा सफल इलाज किया गया। मरीज पिछले दो महीनों से छाती में जलन, भारीपन और दबाव की समस्या से परेशान थे। विस्तृत जांच में छाती के अंदर एक दुर्लभ इसोफेगल डुप्लिकेशन सिस्ट पाई गई, जो भोजन नली और हृदय पर दबाव डाल रही थी। सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं मिनिमल एक्सेस सर्जरी डायरेक्टर डॉ. प्रशांत राव के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने पारंपरिक ओपन सर्जरी के बजाय रोबोटिक, मिनिमली इनवेसिव सर्जरी का विकल्प चुना। जनवरी 2026 में की गई सर्जरी सफल रही और सिस्ट को सुरक्षित रूप से निकाल दिया गया। सर्जरी के चौथे दिन मरीज को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल के सीईओ डॉ. बिपीन चेवले ने बताया कि इस जटिल प्रक्रिया में उन्नत रोबोटिक तकनीक का उपयोग किया गया, जिससे सर्जरी अधिक सटीक, सुरक्षित और कम दर्द वाली रही। इस तकनीक से मरीज तेजी से स्वस्थ होकर सामान्य जीवन में लौट सकता है। मरीज राहुल जगताप ने अस्पताल की टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर सही निदान और आधुनिक उपचार से उन्हें नई जिंदगी मिली है।

न्यूरोलॉजिस्ट द्वारा मल्टीपल स्क्लेरोसिस का इलाज

ऑनलाइन स्वास्थ्य जानकारी के आधार पर खुद को गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी से ग्रस्त मान बैठी 32 वर्षीय एक महिला को आखिरकार विशेषज्ञ परामर्श के बाद राहत मिली। लगातार थकान को मल्टीपल स्क्लेरोसिस (एमएस) समझ लेने के कारण वह मानसिक तनाव में थी और अपने महत्वपूर्ण जीवन निर्णय तक टाल चुकी थी। महिला ने इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी पढ़ने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि उसे मल्टीपल स्क्लेरोसिस है। हालांकि उसके पास केवल एक ही लक्षण था — लगातार थकान। न दृष्टि संबंधी समस्या, न हाथ-पैरों में कमजोरी, न संवेदनशीलता में बदलाव और न ही किसी न्यूरोलॉजिकल अटैक का इतिहास था। इसके बावजूद गंभीर बीमारी के डर ने उस पर गहरा मानसिक प्रभाव डाला और उसने अपनी नियोजित आईवीएफ प्रक्रिया भी स्थगित कर दी।

मामला तब स्पष्ट हुआ जब उसने डॉ. शीतल गोयल, कंसल्टेंट न्यूरोलॉजिस्ट, वॉकहार्ट अस्पताल - मुंबई सेंट्रल, से परामर्श लिया। डॉक्टर ने बताया कि जब उनसे पूछा गया कि एमएस का निदान किसने किया, तो महिला ने जवाब दिया — "ChatGPT।"अस्पताल की ओपीडी में विस्तृत क्लिनिकल जांच की गई। विशेषज्ञ मूल्यांकन में पाया गया कि मरीज के लक्षण मल्टीपल स्क्लेरोसिस के स्थापित निदान मानकों से मेल नहीं खाते। अंततः डॉक्टरों ने स्पष्ट किया कि महिला को एमएस नहीं, बल्कि तनाव से जुड़ी थकान और चिंता की समस्या है। डॉ. गोयल ने कहा, "उस दिन हमारा काम किसी बीमारी का इलाज करना नहीं, बल्कि एक गलत धारणा को दूर करना और मरीज को अनावश्यक भय से मुक्त करना था।"एमएस की आशंका समाप्त होने के बाद महिला ने राहत महसूस की और अपनी आईवीएफ योजना को फिर से आगे बढ़ाने का निर्णय लिया।विशेषज्ञों का कहना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित उपकरण स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देने में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे चिकित्सकीय मूल्यांकन और क्लिनिकल निर्णय का विकल्प नहीं हैं। थकान एक सामान्य लक्षण है, जबकि मल्टीपल स्क्लेरोसिस अपेक्षाकृत दुर्लभ बीमारी है। सही निदान के लिए विस्तृत रोग-इतिहास, शारीरिक परीक्षण और विशेषज्ञ व्याख्या आवश्यक है।यह मामला दर्शाता है कि डिजिटल युग में जानकारी आसानी से उपलब्ध है, लेकिन अंतिम पुष्टि, संदर्भ और मानसिक आश्वासन अब भी चिकित्सकीय विशेषज्ञता से ही संभव है।

रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल्स, रायपुर मध्य भारत में 500 रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी करने वाला पहला हॉस्पिटल बना

रायपुर: रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल्स, रायपुर ने 39 महीनों में आधुनिक दा विंची टेक्नोलॉजी की मदद से 500 से अधिक रोबोटिक असिस्टेड सर्जरी पूरी कर ली हैं। रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल्स यह उपलब्धि हासिल करने वाला मध्य भारत का पहला हॉस्पिटल है। हॉस्पिटल में जनरल सर्जरी, गायनेकोलॉजी एवं यूरोलॉजी, जटिल एब्डॉमिनल वॉल हर्निया, गंभीर एंडोमेट्रियोसिस, चुनौतीपूर्ण कोलोरेक्टल सर्जरी, मायोमेक्टोमी, हिस्टेरेक्टोमी और एडवांस्ड रिकंस्ट्रक्शन के लिए इस टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाता है। डॉ. संदीप दवे, मेडिकल एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल्स, रायपुर ने कहा, ''500 रोबोटिक सर्जरी पूरी करना हमारे संस्थान की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इससे हमारा सालों का अनुशासन, निरंतर लर्निंग और छत्तीसगढ़ में विश्वस्तर की सर्जिकल केयर उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। रोबोटिक असिस्टेड सर्जरी में मरीज को छोटे चीरे लगते हैं, जिससे उन्हें दर्द कम होता है और खून भी कम निकलता है। इसलिए वो तेजी से स्वस्थ होते हैं और हॉस्पिटल में भी कम समय रुकना पड़ता है।'' उन्होंने बताया, ''दा विंची प्लेटफॉर्म के सबसे बड़े फायदों में से एक है कि इसने हर उम्र के मरीज की सर्जरी करना आसान बना दिया है, जिससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है। हमने एक 5 साल के बच्चे की एड्रेनैलेक्टोमी (दोनों एड्रिनल ग्लांड्स को सर्जरी द्वारा निकालना) से लेकर एक 84 साल के मरीज की मेशप्लास्टी (हर्निया रिपेयर की सर्जिकल प्रक्रिया) जैसी सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की हैं। इतने विस्तृत आयु समूह में लगातार शानदार परिणाम हमारे प्रोग्राम की क्षमता और हमारे गहरे अनुभव को प्रमाणित करते हैं।'' डॉ. दवे ने बताया कि हॉस्पिटल की सर्जिकल टीमें अब एक दिन में छः रोबोटिक सर्जरी कर सकती हैं। हॉस्पिटल को यह क्षमता अपनी स्पष्ट दूरदर्शिता और सुगम तालमेल से मिली है। काउंसलर, को-ऑर्डिनेटर, ऑपरेटिंग थिएटर स्टाफ, एनेस्थेसियोलॉजिस्ट और नर्सिंग टीम एक यूनिट की तरह पूरे समन्वय में काम करते हैं। ''इस तालमेल से हमारी टीम मरीज की पूरी सुरक्षा के साथ लगातार बेहतरीन नतीजे देती है। हर मरीज का हॉस्पिटल में रुकने का समय एक दिन कम हो गया है, 9 महीनों में बेड ऑक्युपेंसी में 62 प्रतिशत की कमी आई है और हम बेड भरे रहने के 82 दिन बचाने में समर्थ बने हैं। इससे हम मरीजों की सुरक्षा और शानदार नतीजों से कोई भी समझौता किए बगैर और अधिक मरीजों का इलाज करने में समर्थ बने हैं।''

''एआई मोमेंटम को सेमीकंडक्टर मोमेंटम से अलग नहीं किया जा सकता। भारत फुल इनोवेशन स्टैक निर्मित कर रहा है : अशोक चांडक

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026, एआई, सेमीकंडक्टर रणनीति और विश्वसनीय वैश्विक टेक्नोलॉजी साझेदारियों के मेल में एक महत्ववपूर्ण पल है। 20 से ज्यादा राज्य प्रमुखों, 60 मंत्रियों, 500 ग्लोबल एआई लीडरों और 3,00,000 से ज्यादा आगंतुकों के साथ, यह समिट भारत को वैश्विक एआई रूपांतर के केन्द्र में मज़बूती से रखता है – खासकर ग्लोबल साउथ में। भारत की एआई गवर्नेंस गाइडलाइंस जारी करना, इंडिया एआई फैलोशिप को 13,500 स्कॉलर्स तक बढ़ाना, और इंडिया एआई सेफ्टी इंस्टीट्यूट को मज़बूत करना एक व्यापक दृष्टिकोण दर्शाता है – नीति, प्रतिभा और मानक एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में, 38,000 जीपीयू पहले से ही कार्यरत हैं और आगामी महीनों में 50,000 से ज्यादा जीपीयू स्थापित किए जाएंगे, भारत तेज़ी से सार्वभौम कम्प्यूट क्षमता बढ़ा रहा है। एआई निवेश में 200 अरब डॉलर से ज्यादा के सर्पोटेड फंड और अनुमान के साथ- मुख्य रूप से बुनियादी ढांचे और आरडीआई स्कीम, आईएसएम 2.0 और इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर नीतियों में – भारत दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते एआई ईकोसिस्टम में से एक का निर्माण कर रहा है। लेकिन इतिहास ने बार-बार यह दिखाया है कि जो देश परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों को आकार देते हैं, वे शायद ही कभी उन जैसे होते हैं जो उनके आस-पास के नैतिक और गवर्नेंस के नियमों को परिभाषित करते हैं। आज समिट में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का भाषण भारत द्वारा दोनों भूमिकाओं को एक साथ निभाने के स्पष्ट इरादे की ओर इशारा करता है – बड़े पैमाने पर एआई निर्माता और अडॉप्टर के तौर पर, तथा एक ऐसे गवर्नेंस आर्किटेक्चर के लिए एक सैद्धांतिक आवाज़ के तौर पर जो मानवता की बड़े पैमाने पर सेवा करे, न कि चुनिंदा तौर पर। आज हम एआई अपनाने के मामले में जहां खड़े हैं, उसे देखते हुए यह बिल्कुल सही तर्क है, जो बिल्कुल सही समय पर दिया गया है। माननीय प्रधानमंत्री ने मानव को व्यक्त किया – एआई गवर्नेंस में नैतिक ईमानदारी, जवाबदेह संस्थान, राष्ट्रीय डाटा संप्रभुता, समावेशी पहुंच और वैधता पर आधारित – ग्लोबल साउथ को एआई डैवलपमेंट को अभी आकार दे रहे एकाधिकारवादी आर्किटेक्चर के खिलाफ अपना पहला सुसंगत काउंटर-नैरेटिव देता है।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 'तोहफे' में दिए उसी के तीन सैनिक, कई महीनों पहले किया था कैद

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान सरकार ने मंगलवार को घोषणा की है कि उसने पिछले साल अक्टूबर में सीमा पार लड़ाई के दौरान पकड़े गए तीन पाकिस्तानी सैनिकों को रिहा कर दिया है। यह कदम रमजान के पवित्र महीने के मद्देनजर उठाया गया है। सऊदी अरब की मध्यस्थताः अफगानिस्तान सरकार के प्रवक्ता, जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक बयान में बताया कि इन सैनिकों को सोमवार को काबुल आए एक सऊदी प्रतिनिधिमंडल को सौंप दिया गया। यह प्रतिनिधिमंडल दोनों देशों के बीच मध्यस्थता कर रहा था।

गिरफ्तारी का समयः मुजाहिद के अनुसार, इन तीन सैनिकों को 12 अक्टूबर को हुई लड़ाई के दौरान बंदी बनाया गया था।

रिहाई का कारणः उन्होंने कहा कि सैनिकों को रिहा करने का निर्णय रमजान की शुरुआत को देखते हुए लिया गया है, जो इस्लाम में उपवास और आत्म-चिंतन का पवित्र महीना माना जाता है। अफगानिस्तान और उसके पड़ोसी पाकिस्तान के बीच पिछले साल अक्टूबर से ही तनाव काफी बढ़ा हुआ है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच

वर्तमान में जो तल्खी दिखाई दे रही है, उसकी जड़ें पिछले साल अक्टूबर की घटनाओं में छिपी हैं। भले ही अब 3 सैनिकों की रिहाई को एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है, लेकिन दोनों पड़ोसियों के बीच रिश्तों की डोर बेहद कमजोर हो चुकी है।

9 अक्टूबर का काबुल धमाका इस पूरे तनाव की शुरुआत 9 अक्टूबर को हुई, जब अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में कई जोरदार धमाके हुए। इन धमाकों ने पूरे शहर को दहला दिया। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने तुरंत इन हमलों के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। अफगान सरकार ने न केवल पाकिस्तान पर आरोप लगाए, बल्कि इन हमलों का बदला लेने की कसम भी खाई।

काबुल धमाकों के ठीक बाद, प्रतिशोध की भावना ने दोनों देशों की सीमाओं पर युद्ध जैसे हालात पैदा कर दिए। तालिबान के 'बदला लेने' के बयान के बाद सीमा पर भीषण गोलाबारी शुरू हो गई।

लड़ाई के दौरान 12 अक्टूबर का दिन सबसे महत्वपूर्ण रहा, जब अफगान बलों ने लड़ाई के दौरान तीन पाकिस्तानी सैनिकों को बंदी बना लिया (जिन्हें अब रिहा किया गया है)। यह संघर्ष इतना घातक था कि इसमें दोनों तरफ के दर्जनों सैनिक, आम नागरिक और संदिग्ध उग्रवादी मारे गए, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्टूबर में हुई यह लड़ाई पिछले कई वर्षों में दोनों पड़ोसियों के बीच हुई सबसे भीषण लड़ाई थी। इसने दोनों देशों के राजनयिक संबंधों को रसातल में पहुंचा दिया।

जब हालात बेकाबू होने लगे, तो खाड़ी देशों ने हस्तक्षेप कियाः कतर की मध्यस्थताः कतर ने दोनों देशों के बीच बीच-बचाव किया, जिसके बाद एक 'युद्धविराम' लागू हुआ। इससे सीमा पर तोपें तो शांत हो गईं, लेकिन तनाव कम नहीं हुआ। युद्धविराम के बाद, तुर्की के इस्तांबुल में शांति वार्ता आयोजित की गई ताकि कोई स्थाई समाधान निकल सके। लेकिन, यह बातचीत किसी ठोस समझौते या नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। हालात को सुधारने के लिए कतर की मध्यस्थता में एक युद्धविराम समझौता हुआ था, जिससे तनाव में कुछ कमी आई है। हालांकि, इस्तांबुल में हुई बाद की शांति वार्ता किसी ठोस समझौते पर पहुंचने में विफल रही, जिसके कारण दोनों देशों के संबंध अभी भी तनावपूर्ण बने हुए हैं।

रूस में खीरे की कीमतों में आया बंपर उछाल

मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बीच अब रूस में एक नई समस्या सामने आई है। सोने और चांदी की कीमतों की तरह ही सब्जियों के दामों में भी भारी उछाल देखने को मिल रहा है। विशेषकर खीरे की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी ने आम लोगों की जेब पर बड़ा असर डाला है। सोशल मीडिया पर लोग खीरे की तुलना लग्जरी और कीमती चीजों से कर रहे हैं और इसे मजाकिया अंदाज में नया सोना बता रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस में खीरे की कीमत दिसंबर से दोगुनी होकर लगभग 300 रूबल प्रति किलोग्राम (करीब 356 रुपये) तक पहुंच गई है। कुछ खीरे तो इससे भी दो-तीन गुना महंगे बिक रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी की शुरुआत तक खीरे की कीमतें मीट और अन्य आयातित फलों जैसे केले के बराबर या उससे भी ज्यादा हो गई हैं। इस उछाल के कारण लोग सोशल मीडिया पर महंगी सब्जियों की तस्वीरें डाल रहे हैं और डार्क ह्यूमर के जरिए खीरे को लग्जरी आइटम बता रहे हैं। इस बढ़ोतरी का मुद्दा सिर्फ मार्केट तक ही सीमित नहीं है, बल्कि राजनीति में भी चर्चा का विषय बन गया है। जस्ट रशिया पार्टी के लीडर सर्गेई मिरोनाव ने सरकार पर निशाना साधा।

जहां से होती है दुनिया को तेल सप्लाई, ईरान ने वही समुद्री रास्ता किया बंद

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने मंगलवार को एक बड़ा और सख्त संदेश दिया। एक तरफ वह अमेरिका के साथ अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत कर रहा था, वहीं दूसरी ओर उसने दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्ते स्ट्रेट ऑफ होरमज़ में लाइव फायरिंग करते हुए उसे अस्थायी रूप से बंद कर दिया।

ईरान ने साफ संकेत दिया कि अगर उस पर दबाव डाला गया या हमला हुआ, तो वह इस अहम समुद्री रास्ते से जहाजों की आवाजाही रोक सकता है।

क्या है स्ट्रेट ऑफ होरमुज और क्यों है इतना अहम?

स्ट्रेट ऑफ होरमुज दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग (चोक पॉइंट) माना जाता है। यह फारस की खाड़ी को गल्फ ऑफ ओमान और अरब सागर से जोड़ता है। इसके उत्तर में ईरान और दक्षिण में ओमान स्थित है। इसकी सबसे संकरी चौड़ाई लगभग 21 मील (करीब 33-34 किलोमीटर) है।

सबसे अहम बात यह है कि दुनिया में होने वाली कुल तेल सप्लाई का लगभग 20त्न हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। हाल के आंकड़ों के मुताबिक हर दिन औसतन 20 मिलियन बैरल कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद इस जलडमरूमध्य से होकर दुनिया के अलग-अलग देशों तक पहुंचते हैं। इसलिए अगर यह रास्ता बंद होता है, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था और तेल बाजार पर बड़ा असर पड़ सकता है। इसके जवाब में ईरान ने कहा है कि अगर उस पर हमला हुआ तो वह सीधा जवाब देगा। ईरान की तरफ से बातचीत का नेतृत्व विदेश मंत्री कर रहे हैं। सोमवार को उन्होंने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी के प्रमुख से मुलाकात की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने लिखा कि वे एक न्यायसंगत और बराबरी वाली डील के लिए जिनेवा पहुंचे हैं।

अब्बास अराघची कर रहे हैं ईरान की अगुआई

बातचीत भी और ताकत का प्रदर्शन भी

मंगलवार को ईरान और अमेरिका के बीच जिनेवा में परमाणु मुद्दे पर बातचीत हो रही थी। उसी समय ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होरमुज में बड़े पैमाने पर लाइव फायरिंग वाली सैन्य एक्सरसाइज शुरू कर दी। जैसे ही बातचीत शुरू हुई, ईरानी मीडिया ने घोषणा की कि ईरान ने होरमुज की दिशा में लाइव मिसाइलें दागी हैं। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी तसनीम के मुताबिक, देश के अंदर और तटीय इलाकों से दागी गई मिसाइलों ने अपने तय टारगेट को सफलतापूर्वक नष्ट किया। इस लाइव फायरिंग की वजह से मंगलवार को कुछ समय के लिए स्ट्रेट ऑफ होरमुज बंद रहा। विशेषज्ञ इसे ईरान की दो ट्रैक रणनीति बता रहे हैं — यानी एक तरफ कूटनीतिक बातचीत और दूसरी तरफ ताकत का खुला प्रदर्शन। ईरान का कहना है कि वह अमेरिका के साथ सिर्फ अपने परमाणु कार्यक्रम पर बात करेगा, घरेलू नीतियों या आंतरिक मामलों पर नहीं। इसमें हाल ही में प्रदर्शनकारियों पर की गई कार्रवाई भी शामिल है, जिस पर पश्चिमी देशों ने सवाल उठाए थे। अमेरिकी राष्ट्रपतिडोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को उसके न्यूक्लियर प्रोग्राम पर रोक लगाने के लिए कई बार सख्त चेतावनी दी है और जरूरत पड़ने पर ताकत के इस्तेमाल की बात भी कही है।

अमेरिकी पैनल में खुलासाः भारत-चीन टकराव खत्म नहीं...सिर्फ़ ठंडा पड़ा, तिब्बत को लेकर दी चेतावनी

नियंत्रण रेखा पर सैनिकों के आंशिक पीछे हटने से तत्काल तनाव जरूर घटा है

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक संसदीय आयोग के सामने पेश हुए शीर्ष अमेरिकी और भारतीय विशेषज्ञों ने कहा है कि भारत और चीन के बीच हालिया कूटनीतिक नरमी के बावजूद दोनों देशों की प्रतिद्वंद्विता संरचनात्मक बनी हुई है और भविष्य में भी यह टकराव का रूप ले सकती है। यूएस-चीन आर्थिक और सुरक्षा समीक्षा आयोग के समक्ष गवाही देते हुए विशेषज्ञों ने कहा कि अक्टूबर 2024 में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैनिकों के आंशिक पीछे हटने से तत्काल तनाव जरूर घटा है, लेकिन शक्ति संतुलन में कोई बुनियादी बदलाव नहीं आया। रणनीतिक विश्लेषकसमीर लालवानी ने आयोग को बताया कि अनिश्चितताओं के बावजूद भारत चीन को एक प्रतिद्वंद्वी के रूप में ही देखता रहेगा। उनके अनुसार, सीमा आज भी अत्यधिक सैन्यीकृत है और सैन्य संतुलन चीन के पक्ष में झुका हुआ है।

उन्होंने चेतावनी दी कि तिब्बत में चीन का लगातार बढ़ता बुनियादी ढांचा और किसी संभावित दलाई लामा उत्तराधिकार संकट जैसी राजनीतिक घटना बड़े सैन्य संघर्ष में बदल सकती है। किंग्स इंस्टीट्यूशन की विशेषज्ञ तन्वी मदान ने इसे रणनीतिक बदलाव नहीं, बल्कि सामरिक नरमी करार दिया। उन्होंने कहा कि 2020 के गलवान संघर्ष के बाद भारत में चीन को लेकर भरोसा लगभग खत्म हो चुका है। विशेषज्ञों के मुताबिक, भारत की चिंता अब सिर्फ

सीमा तक सीमित नहीं है। चीन की दक्षिण एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती नौसैनिक और आर्थिक मौजूदगी ने नई दिल्ली की सुरक्षा चिंताओं को कई गुना बढ़ा दिया है। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन की सौम्या भौमिक ने कहा कि पड़ोसी देशों में चीन का प्रभाव भारत के लिए अभूतपूर्व रणनीतिक चुनौती बन चुका है।आर्थिक मोर्चे पर विशेषज्ञों ने भारत की चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता को गंभीर जोखिम बताया। चंद्रेश हरजीवन ने कहा कि दवाइयों और कच्चे रसायनों के मामले में चीन की भूमिका इतनी बड़ी है कि इससे अमेरिका की स्वास्थ्य सुरक्षा भी अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई है। हालांकि, विशेषज्ञों ने यह भी स्पष्ट किया कि चीन को संतुलित करने में भारत अमेरिका को एक अहम साझेदार मानता है। सेंटर फॉर ए न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी की लिंडसे फोर्ड ने कहा कि न तो भारत और न ही अमेरिका अकेले चीन का मुकाबला कर सकता है। पूर्व अमेरिकी अधिकारी तरुण छाबड़ा ने भारत को वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा का सबसे अहम स्विंग स्टेट बताया और कहा कि भारत के फैसले तय करेंगे कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र लोकतांत्रिक तकनीकी व्यवस्था के साथ जाएगा या चीनी प्रभुत्व की ओर। हालांकि प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच संवाद दोबारा शुरू हुआ है, लेकिन अमेरिकी पैनल की सुनवाई ने साफ कर दिया कि भारत-चीन संबंधों का भविष्य सुलह नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धा से तय होगा।

जिनेवा वार्ता से पहले रूस का भीषण हमला, यूक्रेन पर 29 मिसाइलें और 400 ड्रोन दागे

मास्को, एजेंसी। यक्रन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने दावा किया है कि रूस ने जिनेवा में होने वाली अहम त्रिपक्षीय वार्ता से ठीक पहले यूक्रेन पर एक भीषण और सुनियोजित हमला किया। इस हमले में रूस ने 29 मिसाइलें और लगभग 400 ड्रोन दागे। जेलेंस्की के अनुसार, यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली ने 29 में से 25 मिसाइलों को मार गिराया, जिसे उन्होंने एक बड़ी सफलता बताया। इसके बावजूद हमलों में बच्चों समेत नौ लोग घायल हुए हैं और कई रिहायशी इलाकों को नुकसान पहुंचा है।राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो संदेश में कहा कि जिनेवा में नए कूटनीतिक प्रारूप शुरू होने के दिन ही हमला करना रूस की असल मंशा को उजागर करता है। यूक्रेन शांति चाहता है और युद्ध समाप्त करने के लिए समझौते को तैयार है, लेकिन रूस का व्यवहार इसके विपरीत है। उन्होंने यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल से आग्रह किया कि वह जिनेवा में अमेरिकी प्रतिनिधियों के सामने इस हमले का मुद्दा मजबूती से उठाए, खासकर तब जब अमेरिका ने दोनों पक्षों से हमले रोकने का प्रस्ताव रखा था। इस बीच, रूस के हमलों से ओडेसा शहर में हालात और बिगड़ गए हैं। ड्रोन हमलों के कारण हजारों लोग पानी और हीटिंग सप्लाई से वंचित हो गए हैं। करीब 10 से

अधिक रिहायशी इमारतें और रेलवे ढांचा भी क्षतिग्रस्त हुआ है। जेलेंस्की ने कहा कि कुल 12 यूक्रेनी क्षेत्रों को निशाना बनाया गया और यह हमला खास तौर पर देश के ऊर्जा ढांचे को तबाह करने के उद्देश्य से किया गया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों से अपील की कि रूस पर प्रतिबंधों का दबाव बढ़ाया जाए और यूक्रेन की वायु रक्षा को तत्काल मजबूत किया जाए। यूक्रेन-रूस युद्ध फरवरी 2022 से जारी है और जिनेवा में चल रही यह वार्ता अमेरिका की मध्यस्थता में युद्ध को समाप्त करने की कोशिशों का हिस्सा है।

उतार-चढ़ाव भरे बाजार में रायपुर के निवेशकों का मिड-कैप शेयरों पर बढ़ा भरोसा

रायपुर। एक तरफ शेयर बाजार में तेज़ी की उम्मीद है तो दूसरी तरफ सावधानी बरतने की ज़रूरत। ऐसे में आम निवेशक अपने पोर्टफोलियो में बदलाव कर रहे हैं ताकि उन्हें भविष्य में अच्छा मुनाफा मिल सके। बाज़ार के मौजूदा दौर में मिड-कैप म्यूचुअल फंड्स एक बार फिर निवेशकों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं।

इस बदलते नज़रिए के पीछे वैश्विक और घरेलू, दोनों कारण हैं। वैश्विक स्तर पर देखें तो, अमेरिका और यूरोप जैसे बड़े आर्थिक देशों के बीचरिक रिश्तों से बिज़नेस के माहौल को मज़बूती मिलने की उम्मीद है। इन बदलावों से उन कंपनियों के लिए एक बेहतर माहौल बनेगा जिनका काम विदेशों में निर्यात और मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ा है।

घरेलू स्तर पर, हालिया बजट में इन्फ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग और सरकारी खर्च पर जो ज़ोर दिया गया है, उसका बड़ा असर पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ने की उम्मीद है। जैसे-जैसे सरकारी खर्च से प्राइवेट सेक्टर में हलचल बढ़ेगी, सामान और सेवाओं की मांग भी सिर्फ बड़ी कंपनियों तक सीमित नहीं रहेगी। इसका सीधा फायदा उन मिड-साइज़्ड कंपनियों को मिल सकता है जो देश की आर्थिक प्रगति से जुड़ी हुई हैं।

इसी का नतीजा है कि पूरे 2025 के दौरान मिड-कैप कैटेगरी में निवेशकों ने जमकर निवेश किया। रूस्नद्व के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक, मिड-कैप फंड्स में आने वाले निवेश ने म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह सिलसिला जनवरी 2026 में भी जारी रहा, जहाँ इस कैटेगरी में ?3,185 करोड़ का निवेश आया। यह साफ दिखाता है कि निवेशकों का भरोसा उन भारतीय कंपनियों पर बढ़ रहा है जो तेज़ी से आगे बढ़ने की क्षमता रखती हैं।

देशभर के माहौल को देखते हुए टाटा मिडकैप फंड (एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम जो मुख्य रूप से मिड-कैप शेयरों में निवेश करती है) के प्रति रायपुर जैसे क्षेत्रीय बाजारों में भी काफी दिलचस्पी बढ़ी है। 31 जनवरी, 2026 तक इस फंड की एसेट अंडर मैनेजमेंट (AUM) लगभग 50.74 करोड़ तक पहुँच गई, जो पिछले साल के मुकाबले 27% की बढ़त दिखाती है। (इंटरनल डेटा)

रायपुर में इस फंड की पकड़ लगातार मज़बूत हो रही है। जनवरी 2026 के आंकड़ों के अनुसार, रायपुर के बाजार से टाटा मिडकैप फंड की कुल बिक्री ?1.09 करोड़ रही। यह आंकड़े साफ दर्शाते हैं कि रायपुर के निवेशक उन इक्विटी योजनाओं में रुचि दिखा रहे हैं, जो उन्हें भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनने का मौका देती हैं।

सैमसंग इंडिया ने अपने अगले एआई स्मार्टफोन को 'प्री-रिजर्व' करने वाले ग्राहकों के लिए विशेष लाभों की घोषणा की

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज अपने आगामी एआई स्मार्टफोन को प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों के लिए विशेष लाभों की घोषणा की। प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों को 256GB से 512GB तक का मेमोरी अपग्रेड मुफ्त (कॉम्प्लिमेंट्री) दिया जाएगा। सैमसंग का अगला एआई फोन 25 फरवरी को सैन फ्रांसिस्को,कैलिफोर्निया में आयोजित होने वाले 'गैलेक्सी अनपैक्ड' इवेंट में पेश किया जाएगा। ग्राहक 25 फरवरी तक 999 रुपये की रिफंडेबल टोकन राशि जमा करके नए गैलेक्सी एस सीरीज डिवाइस को प्री-रिजर्व कर सकते हैं। प्री-रिजर्वेशन की सुविधा Samsung.com, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, Amazon.in, Flipkart.com और देशभर के प्रमुख रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध है। स्टोरेज अपग्रेड के अलावा, प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों को नया गैलेक्सी एस सीरीज डिवाइस खरीदने पर 2,699 रुपये मूल्य के अतिरिक्त लाभ भी मिलेंगे। नई गैलेक्सी एस सीरीज को रोजमर्रा के कामकाज को आसान बनाने, आत्मविश्वास बढ़ाने और डिवाइस हाथ में लेते ही 'गैलेक्सी एआई'को सहजता से अनुभव करने के लिए तैयार किया गया है।

सभापति प्रकाश ने दिखाई हरी झंडी, 12 एसएचजी के 40 सदस्य हुए पूरी रवाना

महिला सशक्तिकरण की दिशा में पहल, स्व सहायता समूहों को मिलेगा नया अनुभव

बसना (समय दर्शन)। एकीकृत बाल विकास परियोजना बसना अंतर्गत आयोजित दिशा-दर्शन भ्रमण कार्यक्रम के तहत बसना ब्लॉक के 12 स्व सहायता समूहों के 40 सदस्यों को जनपद पंचायत बसना के सभापति प्रकाश सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह भ्रमण कार्यक्रम महिला स्व सहायता समूहों के सशक्तिकरण एवं आयवर्धन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। भ्रमण के दौरान समूह की माताएँ-बहनें विभिन्न सफल मॉडलों का अध्ययन कर आत्मनिर्भरता, प्रबंधन कौशल एवं आजीविका संवर्धन के नए आयाम सीखेंगी।

भ्रमण पर जा रही माताओं-बहनों को सफल एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएँ देते हुए श्री सिन्हा ने कहा कि यह पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है और ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होंगे।

खबर-खास

ग्राम धूमा में शिव-शक्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 20 से 22 फरवरी तक

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम धुमा में आगामी 20 से 22 फरवरी 2026 तक तीन दिवसीय भव्य शिव-शक्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। धार्मिक अनुष्ठानों और पूजन कार्यक्रमों के साथ पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण रहेगा। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है। कार्यक्रम के प्रथम दिवस 20 फरवरी 2026 को दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक कलश यात्रा एवं वेदी पूजा का आयोजन होगा। कलश यात्रा ग्राम में भ्रमण करते हुए मंदिर परिसर पहुंचेगी, जहां विधि-विधान से पूजन संपन्न होगा। द्वितीय दिवस 21 फरवरी 2026 को सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक शिव अधिवास (धान, चावल, फूल एवं जल) पूजन एवं पाठ का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। तृतीय एवं अंतिम दिवस 22 फरवरी 2026 को सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक शिवलिंग स्थापना, प्राण प्रतिष्ठा पूजन तथा महाभोग भंडारा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। आयोजन समिति ने बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। ग्रामवासियों में आयोजन को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

नारायणपुर(घुघुवा क) में 8 मार्च से यज्ञ आयोजन हेतु बैठक संपन्न

पाटन (समय दर्शन)। क्षेत्र के ग्राम नारायणपुर (घुघुवा क) में पूर्व वर्षों की भांति नौवें वर्ष में 8 मार्च से 16 मार्च तक श्री मंगल मूर्ति मारुती यज्ञ सेवा समिति के तत्वाधान में समीपस्थ समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से नवदिवासीय मानस यज्ञ एवं देवी भागवत के आयोजन हेतु कार्ययोजना निर्धारित करने बैठक मार्गदर्शक अवधेश शर्मा , कार्यकारी अध्यक्ष प्रणव शर्मा के उपस्थिति में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रूप से ग्राम घुघुवा(क) के सरपंच श्रीमती शैलेंद्री ढालसिंह साहू, पूर्व सरपंच लोकेश साहू, समिति के वरिष्ठ सदस्यगण गंगाराम साहू, भवानी शंकर शर्मा, अरुण शर्मा, ओगी राम साहू, मनोज सोनी, रज्जू सोनी, मोतीलाल देवांगन, देवेन्द्र साहू एवं समस्त समीपस्थ ग्रामवासियों की बड़ी संख्या में उपस्थिती रही।

पी.एम. श्री सेजेस बरमकेला के 10 शिक्षकों का कटा नोटिस

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। बरमकेला विकास खंड के सेजेस मे बोर्ड परीक्षा संबंधी महत्वपूर्ण बैठक के बाद स्टॉफ की बैठक रखी गई जिसमे अनुपस्थित रहने के मामले में पी.एम. श्री सेजेस बरमकेला के 10 शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

मिली जानकारी अनुसार 18 फरवरी 2026 को बोर्ड परीक्षा की तैयारियों को लेकर संस्था में आवश्यक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के पश्चात स्टॉफ मीटिंग भी ली गई, जिसमें संबंधित शिक्षक बिना किसी सक्षम अधिकारी को सूचना दिए अनुपस्थित पाए गए। जिसको लेकर जिला शिक्षा अधिकारी जे आर डहरिया ने कड़े रुख अपनाये है और इसे कर्तव्य के प्रति गंभीर लापरवाही मानते हुए सिविल सेवा आचरण नियम (1965) के तहत कदाचार की श्रेणी में रखा गया है। और नोटिस जारी किया गया है

जिन शिक्षकों को नोटिस जारी किया गया है, उनके नाम इस प्रकार हैं— दया सागर चौहान (व्याख्याता), सचिदानंद नायक (व्याख्याता), रणविजय सिंह (शिक्षक) श्रीमती मालती नायक (सहा. शिक्षक विज्ञान), श्रीमती सुनंदा सर्वणकार (शिक्षक), श्रीमती साहिना परविन (सहा. शिक्षक विज्ञान), कु. सुधा पटेल (व्याख्याता), श्रीमती ख्याती चन्द्रा (कम्प्यूटर शिक्षक), श्रीमती जया प्रधान (शिक्षक हेल्थ एण्ड केयर), श्री हरिश चन्द्राकर (शिक्षक इलेक्ट्रीक एण्ड हार्डवेयर) नोटिस में सभी संबंधित शिक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे 20 फरवरी 2026 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें।

स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाए जाने की स्थिति में संबंधित शिक्षकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी स्वयं संबंधित शिक्षकों की होगी। मामले को लेकर शिक्षा विभाग में हलचल तेज हो गई है क्योंकि लगातार एक सप्ताह नहीं बीते है 15 से 20 शिक्षकों को नोटिस जारी किया जा चूका है इस बात से साफअंदाजा लगाया जा सकता है की शिक्षा के क्षेत्र मे किसी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं किया जायेगा।

सड़क हादसे में मां-बेटी की मौत

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग जिले के भिलाई-3 के सिरसा गेट चौक के पास गुरुवार को दोपहर एक सड़क हादसे में मां-बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के अनुसार, राकेश दुबे अपनी पत्नी आरती दुबे 35 साल और दो साल की बेटी सोना दुबे के साथ बाइक से रायपुर से भिलाई लौट रहे थे। वे दोपहर करीब 12 बजे रायपुर से निकले थे और लगभग 2 बजे भिलाई-3 क्षेत्र में सिरसा गेट चौक के पास पहुंचे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार से आ रही कार ने राकेश दुबे की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे के बाद मां-बेटी सड़क पर गिर गये।

दो आरा मशीनों से भारी मात्रा में अर्जुन प्रजाति की लकड़ी जब्त

सक्ती (समय दर्शन)। वन परिक्षेत्र सक्ती अंतर्गत अवैध लकड़ी भण्डारण के विरुद्ध वन विभाग द्वारा सख्त कार्यवाही करते हुए दो आरा मशीनों पर छापामार कार्यवाही की गई। यह कार्रवाई ग्राम तुषार एवं जैजैपुर क्षेत्र में संचालित आरा मशीनों में की गई, जहां बड़ी मात्रा में अर्जुन प्रजाति की लकड़ी अवैध रूप से भण्डारित पाई गई। वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम तुषार में संचालित राम टिम्बर आरा मशीन की जांच के दौरान परिसर में 462 नग अर्जुन प्रजाति के लठ्ठे पाए गए, जिनका कुल आयतन 97.200 घन मीटर आंका गया। इसके साथ ही मौके से 02 नग बैंड सॉ मशीन भी जब्त की गई। इसी प्रकार जैजैपुर में संचालित जी.आर. आरा मशीन में निरीक्षण के दौरान 530 नग अर्जुन प्रजाति के लठ्ठे पाए गए, जिनका कुल आयतन 109.192 घन मीटर मापा गया। यहां से 01 नग बैंड सॉ मशीन भी जब्त की गई। वन अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिक जांच में लकड़ी के वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके, जिसके चलते अवैध भण्डारण की आशंका के आधार पर जब्ती की कार्रवाई की गई। अवैध लकड़ी को जप्त किया गया है। वन विभाग द्वारा प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

प्रदर्शनी के माध्यम से आमजन योजनाओं का उठाए सीधा लाभ - सांसद जांगड़े

प्रगतिशील छत्तीसगढ़ 2026 उन्नति की ओर एक पहल - भव्य प्रदर्शनी का शुभारंभ

प्रदर्शनी के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं नवाचार की दी जा रही जानकारी

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। जांजगीर-चांपा लोकसभा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने पुलिस परेड ग्राउंड, खोखरा में 19 से 21 फरवरी तक आयोजित होने वाली तीन दिवसीय 'प्रगतिशील छत्तीसगढ़ 2026' उन्नति की ओर एक पहल भव्य प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। प्रदषर्नी के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को प्रदर्शित कर आमजनों को जानकारी दी जा रही है। शुभारंभ अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने प्रदर्शनी के स्टॉलों का भ्रमण किया।

इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल, नगर पालिका परिषद जांजगीर-नैला उपाध्यक्ष श्री मोहन यादव, पूर्व विधायक श्री चुन्नीलाल साहू, इंजी. रवि पांडे, श्री अमर सुल्तानिया, श्री पलाश चंदेल, श्री अनिल शर्मा, श्री पंकज अग्रवाल, श्री आषुतोश गोस्वामी, कोस्टल एक्का कल्चर अथॉरिटी चेन्नाई सेक्रेटरी श्री के.सी. देवसेनापति, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक श्री विजय पांडेय सहित पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने अपने संबोधन में कहा कि जांजगीर कोसा-कांसा-कंचन की नगरी के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। जिले के किसान नवाचार के माध्यम से कम लागत में बेहतर उत्पादन कर अच्छा आमदनी अर्जित कर रहे है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी का उद्देश्य नवाचारों एवं शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने नागरिकों से प्रदर्शनी में बढ़-चढ़कर भाग लेने और योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। प्रदर्शनी में कृषि एवं बागवानी, हस्तकला एवं हस्तशिल्प, वाणिज्य एवं व्यापार, कृषि एवं पशुपालन, अंतरिक्ष विज्ञान एवं परमाणु ऊर्जा, इंफ्रास्ट्रक्चर एवं औद्योगिक विकास, आवास एवं शहरी विकास, रक्षा अनुसंधान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, वित्त, बैंकिंग एवं बीमा तथा स्वास्थ्य एवं कल्याण से संबंधित स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े नवाचारों और योजनाओं का भी प्रदर्शन किया जा रहा है। आधार सेवा केंद्र की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जहां नागरिकों को आधार से संबंधित सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इस अवसर पर महीला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं की गोदभराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

साजन स्कूल में आयोजित हुई सम्मान समारोह

साजा (समय दर्शन)। थानखम्हरिया समीपस्थ शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला साजन में पदस्थ प्रधान पाठक कृष्ण कुमार वर्मा के प्राचार्य पद पर पदोन्नति होने एवं पूर्व माध्यमिक शाला साजन में नव पदस्थ प्रधान पाठिका मीना राजपूत के स्वागत में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान दायिनी मां सरस्वती के पूजन-अर्चन एवं वंदना से हुई। पश्चात स्वागत भाषण संस्था वरिष्ठ शिक्षक मुकेश सिंह राजपूत, मोमिता विश्वास,हरप्रसाद तिवारी, दरबारी ध्रुवे समेत संतोष पटेल ने प्राचार्य कृष्ण कुमार वर्मा के संस्था साजन में विगत 15 वर्षों के सफल कार्यकाल को याद करते हुए कहा, कि इस विद्यालय एवं विद्यार्थियों के गुणवत्ता सुधार हेतु अथक प्रयास किए हैं।

परिणाम स्वरूप प्रतिवर्ष इस विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। विगत वर्ष कक्षा आठवीं के छात्र अंशु ध्रुवे ने राष्ट्रीय साधन सज्ञ प्रावीण्यत परीक्षा उत्तीर्ण किए। छात्र अंशु को कक्षा 9वीं से 12वीं तक शासन द्वारा प्रतिवर्ष 12000रू की छात्रवृत्ति मिलेंगे। संभाग स्तर पर प्राचार्य वर्मा को उत्कृष्ट प्रधान पाठक का पुरस्कार भी मिला है । नव पदस्थ प्रधान पाठक मीना राजपूत ने भी प्राचार्य पद पर पदोन्नत के लिए शुभकामनाएं दी। साथ ही सभी शिक्षको एवं पालकों से विद्यालय के सफल संचालन एवं उत्कृष्ट विद्यालय बनाने में सहयोग की अपेक्षा की। कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों ने आगामी मार्च माह में आयोजित होने वाली केन्द्रीय कृत बोर्ड 2026 परीक्षाओं में शत् प्रतिशत प्राप्तांको से सफलता प्राप्त करने के लिए कामनाएं की। आशीर्वचन रूप में आठवीं के विद्यार्थियों को प्राचार्य, प्रधान पाठिका, शिक्षकों एवं सभी विद्यार्थियों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शाला परिवार साजन द्वारा प्राचार्य के.के.वर्मा एवं नव पदस्थ एच.एम को स्मृति चिन्ह भेंट कर सभी बच्चों को भेट स्वरूप पेन भेंट किया गया । इस अवसर पर नवपदस्थ प्रधान पाठिका द्वारा सभी बच्चों के लिए न्योता भोजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संकुल समन्वयक अजीमुद्दीन कुरैशी, शाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष सीताराम पटेल, नवयुवक साथी संजय पटेल समेत सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जेजे एक्ट एवं पॉस्को एक्ट पर बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों के लिए रेंज स्तरीय कार्यशाला आयोजित

दुर्ग (समय दर्शन)। यूनिसेफ के सहयोग से बाल संरक्षण, चाइल्ड फ्रेंडली पुलिसिंग एवं न्यायिक प्रक्रिया पर विस्तृत प्रशिक्षण। किशोर न्याय प्रकरणों में समन्वित विवेचना एवं पुनर्वास तंत्र सुदृढ़ करने पर बल जिला कलेक्टर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में विभागीय सहभागिता सुनिश्चित। दुर्ग जिला पुलिस द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से दिनांक 19.02.2026 को प्रातः 10:30 बजे से सीए बिल्डिंग, सिविक सेंटर भिलाई में बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों हेतु रेंज स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं विवेचकों को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉस्को एक्ट) तथा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के विभिन्न प्रावधानों के संबंध में व्यवहारिक एवं विधिसम्मत प्रशिक्षण प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में बाल संरक्षण से जुड़े प्रकरणों में प्राथमिकी पंजीयन, बाल पीड़ितों के बयान की प्रक्रिया, चाइल्ड फ्रेंडली पुलिसिंग के सिद्धांत, किशोर विधि विरुद्ध बालकों के अधिकार, जे.जे. एक्ट के प्रपत्रों का उपयोग, किशोर न्याय बोर्ड एवं बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुतिकरण, चिकित्सीय परीक्षण, परामर्श एवं पुनर्वास प्रक्रिया संबंधी प्रावधानों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। केस स्टडी के माध्यम से विवेचना में आने वाली व्यवहारिक चुनौतियों एवं उनके समाधान पर भी चर्चा की गई।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग(वि.यां.) संभाग दुर्ग (छ.ग.)
// निविदा आमंत्रण सूचना //

ज्ञाप क्र. 971/ नि.प्र.क्र-16/लो.नि.वि./2025-26 दुर्ग,दिनांक 16.02.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत समक्ष श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निमार्ण कार्य का विद्युतीकरण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 02/03/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 09/03/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 10/03/2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि में अवकाश हो या अधोहस्ताक्षरकर्ता शासकीय दौरे पर हो तो निविदा आगामी कार्य दिवस में खोली जावेगी।

स.क्र./ निविदा क्र	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.लाख में)
1	2	3
(1) T0182	providing fire Extinguisher in the Medical college at Rajnandgaon,District Rajnandgaon	9.98 Lacs
(2) T0183	providing and Fixing Electric Installation in the 100 Seater Naveen Chatrawas Manpur,District Mohal- Manpur-Ambagarhchowki	10.00 lacs
(3) T0184	providing and Fixing E/F work to 02 Nos, Aganbadi Kendra Nawagaon and Bagarjhola at Chhuikhadan, District KCG	0.79 lacs
(4) T0185	Prospective Deposit work / O.W. of Providing Electrification under P.W.D.E/M sub division,Kawardha	10.00 lacs
(5) T0186	providing Electrification work at High School Building at Sitagaon,Block Manpur,District MMAC	7.03 lacs
(6) T0187	Shifting LT Line for Road widening at Staff Qtr.(M.P. to Dhenu) District Mohla-Manpur-Ambagarhchowki	0.74 lacs
(7) T0188	providing Approach Road Street Lighting to Govt. Science College at Rajnandgaon, District Rajnandgaon	3.05 lacs
(8) T0189	Prospective Deposit work / O.W. of Providing Electrification under P.W.D.E/M sub division, Durg	9.90 lacs
(9) T0190	SITC of Submersible Pump,Water Coolar and R.O. at Govt. Science College at Rajnandgaon,District Rajnandgaon	4.45 lacs
(10) T0191	SITC of CCTV Camera for Govt.Science College at Rajnandgaon, District Rajnandgaon	2.67 lacs
(11) T0192	providing and Fixing Electrification in Kawar Bhawan at Rengakathera (Gunderdehi) District Balod	2.68 lacs
(12) T0193	Prospective Deposit Work / O.W. of Providing Electrification under P.W.D. E/M sub division, rajnandgaon	10.00 lacs
(13) T0194	providing and Fixing Electrification in Additional Room at Govt. N.C.J. College Building Dallirajhara, District Balod	4.37 lacs
(14) T0195	Prospective Deposit Work / O.W. of Providing Electrification under P.W.D.E/M sub division, Bemetara	10.00 lacs

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। निविदा संबंधी अन्य शर्तें का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

टीप:- (1) आबंटन प्राप्त होने पर ही देयक का भुगतान किया जायेंगा।

जी-252606753/1

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग(वि./यां) संभाग दुर्ग

भीम आर्मी ने मनाई छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती, जल्द शुरू होगी 'पिछड़ा वर्ग अधिकार एवं सामाजिक न्याय यात्रा'

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। भीम आर्मी जिला इकाई सारंगढ़-बिलाईगढ़ द्वारा जिला कार्यालय में मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती गौरवपूर्ण तरीके से मनाई गई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने शिवाजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

प्रमुख निर्णय और संकल्प: जयंती समारोह के दौरान संगठन द्वारा महत्वपूर्ण रणनीतिक निर्णय लिए गए:

न्याय यात्रा का आगाज: जिले में जल्द ही 'पिछड़ा वर्ग अधिकार एवं सामाजिक न्याय यात्रा' के प्रथम चरण की शुरुआत की जाएगी। इस यात्रा का उद्देश्य वंचित और पिछड़े वर्गों को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना है।

स्वराज्य का सपना: कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारियों ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने जिस 'स्वराज्य' और सर्वसमाज के कल्याण का सपना देखा था, भीम आर्मी उसे धरातल पर उतारने के लिए निरंतर संघर्ष करेगी।

संगठनात्मक एकता: कार्यक्रम में भीम आर्मी के तमाम सक्रिय कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूती से लड़ने की शपथ ली। शिवाजी महाराज केवल एक राजा नहीं, बल्कि न्याय और साहस के प्रतीक थे। भीम आर्मी उनके पदचिन्हों पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

— जिला इकाई, भीम आर्मी (सारंगढ़-बिलाईगढ़)

दुर्ग के विकास को नई रतार: गजेंद्र यादव की बड़ी बैठक, 22 करोड़ से होंगे ऐतिहासिक कार्य

दुर्ग (समय दर्शन)। शहर के समग्र एवं योजनाबद्ध विकास को लेकर सर्किट हाउस दुर्ग में कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने महापौर अलका बाघमार की मौजूदगी में आज नगर निगम के सभी पार्षदों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर अधिकारियो को दो दिनों के अंदर सभी प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए है बैठक में सभापति श्याम शर्मा,आयुक्त सुमित अग्रवाल सहित एमआईसी सदस्य पार्षदगण एवं प्रमुख अधिकारी मौजूद थे। बैठक में शहर के 60 वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार एवं अधोसंरचना विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।मंत्री गजेंद्र यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक वार्ड में संबंधित पार्षदों से समन्वय स्थापित कर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्यों का इस्टीमेट तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों, नालियों, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत किए जाएं, ताकि विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके।

बैठक में केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार द्वारा अधोसंरचना मद में 22 करोड़ रुपये से अधिक की राशि उपलब्ध कराई जा रही है। इस राशि से सभी 60 वार्डों में आवश्यकतानुसार विकास कार्य कराए जाएंगे। विशेष रूप से प्रत्येक वार्ड में नाली निर्माण हेतु 10ङ्क10 लाख रुपये तक की मांग का प्रस्ताव तैयार करने और पार्षदों को मांग पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, ताकि वार्ड स्तर की समस्याओं का शीघ्र समाधान हो सके।

बोड़ला एवं बैजलपुर पुलिस ने गौ तस्करों से 13 मवेशी छुड़ाए

दो गौ तस्करों से 13 भैंसा छुड़ाकर गौशाला भेजा

कवर्धा (समय दर्शन)। थाना बोड़ला एवं बैजलपुर पुलिस ने गौ तस्करों से 13 मवेशियों को छुड़ाने में सफलता प्राप्त की है। वहीं पुलिस ने दो आरोपियों को भी दबोच लिया है, वहीं कुछ आरोपी भाग निकले। सभी मवेशी को सुरक्षित रूप से गौ शाला भेज दिया गया है। मुखबीर द्वारा कुछ व्यक्तियों द्वारा मवेशी (भैंस-भैंसा कुल 13 नग) को एक-दूसरे के गले में रस्सी बांधकर, बिना चारा-पानी के, क्रूरतापूर्वक डंडों से मारते-पीटते हुए रात्रि में चोरी-छिपे पक्की सड़क मार्ग से बोड़ला की ओर ले जाने की सूचना पर पुलिस तुरंत हरकत में आई और पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर कुछ आरोपी फरार हो गए। मौके पर सूचनाकर्ता व ग्रामीणों की उपस्थिति में आरोपी 1. शोभाराम बंजारे पिता महेत्तर बंजारे, 55 वर्ष, 2. दिलीप बंजारे पिता श्याम बंजारे, 39 वर्ष दोनों निवासी ग्राम मुड़ियापारा, थाना बोड़ला, जिला कबीरधाम दबोच लिया गया। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे अपने साथी संजू उर्फ संजय बंजारे पिता संतोष बंजारे निवासी मुड़ियापारा तथा अन्य के साथ देवसरा-बकेला क्षेत्र के आसपास के गांवों से भैंस-भैंसा खरीदकर एकत्र करते हैं तथा 11 नग भैंसा एवं 2 नग भैंसी (कुल 13 नग) को पैदल, रस्सियों से बांधकर, बिना चारा-पानी के मारते-पीटते हुए रात्रि में चोरी-छिपे जबलपुर (मध्यप्रदेश) की ओर ले जा रहे थे। मौके पर बरामद सभी मवेशियों को थाना लाकर पशु चिकित्सा अधिकारी को प्रतिवेदन देकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया एवं बाद में उन्हें सुरक्षित रूप से गौशाला भेजा गया। आरोपी शोभाराम बंजारे एवं दिलीप बंजारे के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर 17. 02. 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक रूपक शर्मा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक गोविंद चन्द्रवंशी, सहायक उपनिरीक्षक प्रहलाद चन्द्रवंशी, प्रधान आरक्षक 292 शोभनाथ मेरावी, प्रधान आरक्षक 368 मनोज महोबिया, प्रधान आरक्षक 422 नन्हे नेताम तथा आरक्षक दीपक गुप्ता का सराहनीय योगदान रहा।

पाटन में राशन घोटाले की बू: अकतई की दुकान में अव्यवस्था चरम पर, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

पाटन (समय दर्शन)। पाटन क्षेत्र के अकतई स्थित शासकीय उचित मूल्य राशन दुकान की बदहाल व्यवस्था अब खुली लापरवाही और कथित गड़बड़ी की कहानी बयां कर रही है। हालात ऐसे हैं कि हितग्राहियों को पहले से ही चावल नहीं मिल रहा था, अब शक्कर और नमक का वितरण भी बंद कर दिया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह सीधा-सीधा गरीबों के हक पर डाका है। कुछ दिन पहले समाचार प्रकाशित होने के बाद एसडीएम पाटन ने फूड इंस्पेक्टर को जांच के निर्देश दिए थे। जांच के दौरान जब अधिकारी मौके पर पहुंचे तो दुकान में चावल का स्टॉक दिखाया गया। लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारी के लौटते ही दो दिन बाद सेल्समैन पिकअप वाहन से दुकान में रखा चावल कहीं और ले गया।

ग्रामीणों का कहना है कि यह मामला हितग्राहियों के चावल के गबन का बनता है। सवाल उठ रहा है कि जब जांच में स्टॉक मौजूद था तो आखिर वह चावल गया कहां?

सरपंच की सूचना भी बेअसर

ग्राम सरपंच द्वारा पिछले तीन दिनों से फूड इंस्पेक्टर को पूरे मामले की जानकारी दी जा रही है, लेकिन अब तक न तो कोई ठोस कार्रवाई हुई और न ही वितरण व्यवस्था सुधरी। इससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

तीन किलोमीटर दूर से आकर खाली हाथ लौट रहे ग्रामीण

अकतई के अलावा रीवा गहन और चारभाठा के ग्रामीण भी चावल, नमक और शक्कर के लिए परेशान हैं। तीन किलोमीटर दूर से राशन लेने आने वाले ग्रामीण दुकान बंद मिलने पर मायूस होकर वापस लौट रहे हैं। गरीब परिवारों के सामने रोजमर्रा के भोजन का संकट खड़ा हो गया है।

एसडीएम से करेंगे शिकायत

ग्रामीणों ने तय किया है कि गुरुवार, 19 फरवरी को वे एसडीएम से मुलाकात कर फूड इंस्पेक्टर और सेल्समैन की औपचारिक शिकायत करेंगे। उनका कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन के लिए भी बाध्य होंगे।

फूड इंस्पेक्टर पर उठ रहे सवाल

ग्रामीणों का आरोप है कि जब से फूड इंस्पेक्टर राम नारायण साहू ने पाटन क्षेत्र का प्रभार संभाला है, तब से राशन दुकानों की व्यवस्था पूरी तरह गड़बड़ा गई है। लोगों का यह भी कहना है कि एसडीएम पाटन भी फूड इंस्पेक्टर के सामने बेबस नजर आ रहे हैं।

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन गरीबों के हक की रक्षा करेगा या फिर राशन की यह बंदरबांट यूं ही चलती रहेगी?

संक्षिप्त-खबर

ग्राम पंचायत गभरा में वार्षिक उत्सव धूमधाम से संपन्न

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत गभरा में वार्षिक उत्सव का आयोजन बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक उपस्थित रहीं।

अपने संबोधन में जनपद अध्यक्ष ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। शिक्षा, संस्कार और अनुशासन के माध्यम से ही हम एक सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने बच्चों को मेहनत, ईमानदारी और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि पाटन क्षेत्र के प्रत्येक विद्यालय को बेहतर शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। बच्चों की प्रतिभा को मंच देने के लिए ऐसे कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति, नृत्य, गीत एवं नाट्य मंचन प्रस्तुत किया गया, जिसकी मुख्य अतिथि ने सराहना की। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। जनपद अध्यक्ष ने विद्यालय परिवार को आश्वस्त किया कि शिक्षा के क्षेत्र में जो भी आवश्यक सहयोग होगा, जनपद पंचायत पाटन की ओर से हरसंभव प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में सरपंच, जनप्रतिनिधि, शिक्षकगण, पालकगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

खबर का असर: फुंडा चौक में बनने लगा ब्रेकर, प्रशासन ने लिया संज्ञान

पाटन (समय दर्शन)। फुंडा चौक में लंबे समय से उठ रही मांग आखिरकार पूरी हो गई है। चौक पर ब्रेकर निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। समाजसेवी एवं पंच चंदू गोस्वामी द्वारा लगातार इस मुद्दे को उठाया जा रहा था। गौरतलब है कि चौक पर ब्रेकर नहीं होने के कारण वाहन तेज रफ्तार से गुजरते थे, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही थीं। स्थानीय लोगों में इसको लेकर चिंता बनी हुई थी। इस संबंध में स्थानीय न्यूज पोर्टल सीजी मितान ने खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। खबर प्रकाशित होने के बाद शासन-प्रशासन ने मामले को संज्ञान में लिया और ब्रेकर निर्माण कार्य शुरू करवा दिया। ब्रेकर बनने से अब चौक पर वाहनों की रफ्तार नियंत्रित होगी और दुर्घटनाओं पर अंकुश लगने की उम्मीद है। पंच चंदू गोस्वामी ने त्वरित कार्रवाई के लिए शासन-प्रशासन का आभार जताते हुए कहा कि यह कदम क्षेत्रवासियों की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी था।

छत्रपति शिवाजी जयंती पर 44 यूनिट रक्तदान, युवाओं ने दिखाई मानवता की मिसाल

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर शासकीय नवीन महाविद्यालय, बोरी, जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़) में गुरुवार को एक प्रेरणादायक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर यूथ रेडक्रॉस, बोरी के तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसमें महाविद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रक्तदान शिविर में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कमर तलत के मार्गदर्शन में प्राध्यापकगण, कर्मचारी, छात्र एवं छात्राओं द्वारा कुल 44 यूनिट रक्तदान किया गया। युवाओं की इस सहभागिता ने समाज के प्रति उनके दायित्व और संवेदनशीलता को दर्शाया। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय दुर्ग के ब्लड बैंक की टीम उपस्थित रही, जिसमें नोडल अधिकारी डॉ. जे. पी. मेश्राम, रक्तकोष अधिकारी डॉ. मिथलेश पारकर, डॉ. अवतास कश्यप, काउंसलर टी. एस. एंथोनी, नर्स तरुणा रावत, लैब टेक्नोलॉजिस्ट रोशन सिंह, सीनियर लैब टेक्नीशियन महेंद्र चंद्राकर सहित तीरथ यादव, अंशु नेताम, हिमांशु चंद्राकर एवं देव कुमार सिन्हा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों एवं चिकित्सकीय टीम द्वारा सभी रक्तदाताओं को साधुवाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कलेक्टर के निर्देश पर तत्काल कार्रवाई

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग अंतर्गत जे.आर.डी. स्कूल के समीप सड़क पर कम्पनी मारुति सुजुकी द्वारा अवैध रूप से टेंट लगाकर आवागमन बाधित किए जाने का मामला सामने आया। गुरूवार सुबह कार्यालय जाते समय कलेक्टर अभिजीत सिंह की नजर इस अतिक्रमण पर पड़ी, जिस पर उन्होंने तत्काल नगर निगम आयुक्त को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश के परिपालन में आयुक्त सुमित अग्रवाल के मार्गदर्शन में निगम की अतिक्रमण टीम मौके पर पहुँची और त्वरित कार्रवाई करते हुए सड़क किनारे लगाए गए टेंट, ढांचा एवं अन्य सामग्री को जब्त कर लिया। कार्रवाई के दौरान मार्ग को पूर्णतः अवरोध मुक्त कराया गया, जिससे आम नागरिकों को सुगम आवागमन की सुविधा पुनः उपलब्ध हो सकी। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सार्वजनिक सड़कों और मार्गों पर बाधा उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

आदिवासी समाज का वार्षिक अधिवेशन मे शामिल हुए अशवंत तुषार साहू

महासमुंद (समय दर्शन)। आदिवासी ध्रुव गोंड समाज परिक्षेत्र का वार्षिक अधिवेशन गाड़ाघाट में हुआ। मुख्य अतिथी राष्ट्रीय तेलीकर्मा सेना के संस्थापक व भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अशवंत तुषार साहू था। समाज के तत्वाधान में फूल माला, चंदन,गुलाल लगाकर भव्य स्वागत किया

तुषार साहू ने कहा कि आदिवासी समाज इस धरती पर बसने वाला सबसे पुराना समाज है, जो अनादि काल से चला आ रहा है। यह समाज अपने धर्म संस्कृति और परंपराओं के लिए जाना जाता है। शासन लोगों को हरसंभव मदद करने के लिए तत्पर है, किन्तु वास्तव में समाज तभी जागरूक और आत्मनिर्भर होगा जब वह खुद के सद्प्रयासों और कोशिशों से अपनी छोटी-मोटी जरूरतें पूरा करने के काबिल बने और अन्य समाज के लिए भी उदाहरण बनें। समाज के बुजुर्गों, युवक-युवतियों और छात्र-छात्राओं का सम्मान शॉल, श्रीफल तथा प्रशस्ति-पत्र भेंट किया। समाज के तत्वाधान में आदर्श विवाह गाड़ाघाट मंदिर प्रांगण ,लड़की का नाम रितु ध्रुव गाड़ाघाट निवासी, लड़का नाम तिलक ध्रुव मोखला निवासी, समाज जनो के बीच विवाह संपन्न हुआ और आगे कहा आदिवासी समाज का वार्षिक अधिवेशन/सम्मेलन, जैसे कि ध्रुव गोंड समाज का परिक्षेत्र स्तरीय कार्यक्रम, आमतौर पर सामाजिक समरसता, अपनी अनूठी संस्कृति, पारंपरिक विरासत के संरक्षण और अधिकारों (जल-जंगल-जमीन) की सुरक्षा के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। ये अधिवेशन छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों में जनजातीय गौरव, एकता और समाज के उत्थान (शिक्षा/विकास) को मजबूत करने के लिए वर्ष में एक बार आयोजित होते हैं।

वार्षिक अधिवेशन के मुख्य बिंदु

उद्देश्य: सामाजिक समरसता बढ़ाना, पुरानी परंपराओं को बचाना, और समाज के युवाओं को सशक्त बनाना।

स्थान और समय: अक्सर ये कार्यक्रम स्थानीय समुदायों (जैसे ध्रुव गोंड समाज) द्वारा ग्राम या तहसील स्तर पर आयोजित किए जाते हैं। मुख्य गतिविधियां: सामुदायिक कलश यात्रा, पारंपरिक नृत्य, सांस्कृतिक कार्यक्रम, और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर चर्चा।

महत्व: यह आयोजन न केवल अपनी संस्कृति का जश्न मनाते हैं, बल्कि समाज को एकजुट रखने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर उन्होंने भगवान शंकर पार्वती के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा समाज, प्रदेश और देश में खुशहाली व तरक्की के लिए कामना की। इस अवसर भाजपा युवा मोर्चा सुभम बाग, परिक्षेत्र अध्यक्ष भुवनेश्वर ध्रुव , उपाध्यक्ष डोमार ध्रुव , समारु ध्रुव सलाहकार, शिव ध्रुव उपाध्यक्ष,संतोष ध्रुव संचालक,मनहरण ध्रुव सहसचिव ,राम जी ध्रुव सचिव , सहदेव ध्रुव संरक्षक ,हरिश्चंद्र ध्रुव पूर्व सरपंच, गोपाल ध्रुव कोषाध्यक्ष , अत्यधिक संख्या में पदाधिकारी व समाजिक जन उपस्थित रहे।

राहुल टिकरिहा का पाटन दौरा, मुख्यमंत्री के जन्मदिन को गांव-गांव मनाने की बनी रणनीति

पाटन (समय दर्शन)। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा शुक्रवार को पाटन पहुंचे। यहां विश्राम गृह में आयोजित बैठक में उन्होंने भाजयुमो कार्यकर्ताओं के साथ विस्तार से चर्चा की और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री के जन्मदिन को गांव-गांव में वृहद स्तर पर मनाने की रणनीति बनाई गई। कार्यकर्ताओं से कहा गया कि महतारी वंदन योजना से लाभान्वित महिलाओं के घर-घर जाकर उन्हें मुख्यमंत्री के जन्मदिन की बधाई दें और इस अवसर की तस्वीरें व जानकारी सोशल मीडिया पर साझा करें।

इसके साथ ही सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिन हितग्राहियों के घर बने हैं, उनके निवास पर पहुंचकर भी मुख्यमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने और इन गतिविधियों को भाजपा के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (पीएससी) परीक्षा की पारदर्शिता पर भी चर्चा की गई। बताया गया कि पीएससी में चयनित होने वाले अभ्यर्थियों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इससे पूर्व भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष का स्वामी आत्मानंद चौक में कार्यकर्ताओं द्वारा जोशीला स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में कीर्ति नायक, राजेश चंद्रिका, रानी बंछोर, दुर्ग भाजयुमो जिला महामंत्री अमन यादव, बाबा वर्मा, प्रकाश बिजौरा, रवि सिंगौर, राजू साहू, दामोदर चक्रधारी, केशव बंछोर, सुरेंद्र वर्मा, अनिकेत मिश्रा, अविनाश मिश्रा, सागर सोनी, घनश्याम सोनी, नागेश वर्मा, विक्की बंछोर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित

म्यूल खातों से साइबर ठगी: दुर्ग पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के 4 आरोपी दबोचे

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले के जामुल थाना क्षेत्र में साइबर ठगी से जुड़े एक अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा करते हुए पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी म्यूल खातों के जरिए अवैध लेनदेन कर साइबर अपराधियों की मदद कर रहे थे।

पुलिस को 19 फरवरी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुरूद स्थित सीसीएम मेडिकल कॉलेज रोड पर कुछ युवक दूसरों के बैंक खातों का दुरुपयोग कर अवैध धन अर्जित कर रहे हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने गुप्ता पीजी के पास घेराबंदी कर चारों संदिग्धों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 13 बैंक पासबुक, 7 चेकबुक, 18 एटीएम कार्ड, 12 सिम कार्ड, 4 मोबाइल फोन और 5,700 रुपये नगद बरामद किए गए। जांच में सामने आया कि जब्त खातों का उपयोग विभिन्न राज्यों में साइबर ठगी के लिए किया जा रहा था। समन्वय पोर्टल पर सत्यापन के दौरान केरल, कर्नाटक, बिहार और गुजरात में इन खातों से संबंधित साइबर शिकायतें दर्ज पाई गईं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफअपराध क्रमांक 108/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 317(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामले की आगे जांच जारी है।

मिलर्स की अनुपस्थिति पर नाराजगी जाहिर करते हुए नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने धान उठाव के सम्बंध में मिलर्स की ली बैठक

खरीदी केन्द्रों से शीघ्र ही धान उठाव पूर्ण करने के दिए निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन)। जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत जिले के 105 उपार्जन केन्द्रों में खरीदे गए धान के उठाव के संबंध में कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में राइस मिलर्स की विस्तृत बैठक ली और कार्य में तेजी लाने के कड़े निर्देश दिए। बैठक में उठाव की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी मिलर्स खरीदी केन्द्रों से शीघ्र ही पूरे धान का उठाव पूर्ण करें, अन्यथा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बैठक में अनुपस्थित 04 मिलर्स पर नाराजगी जाहिर करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने परिवहन व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि धान उठाव एवं परिवहन कार्य केवल जीपीएस युक्त वाहनों से ही किया जाए तथा बिना जीपीएस वाहनों के संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए, जिससे पारदर्शिता बनी रहे और अनियमितताओं पर रोक लगे। मिलर्स ने अपनी समस्याएं रखते हुए धान की बोरियों में पानी डालकर वजन बढ़ाने की लगातार मिल रही शिकायतों का मुद्दा भी उठाया, जिस पर कलेक्टर ने जांच कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को पूरी प्रक्रिया की सतत मॉनिटरिंग करने को कहा, ताकि सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ी व्यवस्थाएं समयबद्ध और सुचारू रूप से संचालित हो सकें। बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पांडेय तिवारी अपर कलेक्टर जी.एल. यादव, जिला खाद्य अधिकारी पंकज सेतपाल, एआरसीएस हितेश श्रीवास, जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम संदीप शर्मा, सीसीबी नोडल अधिकारी संतोष सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मखमल में टाट का पैबंद,बसना गौरव पथ की अजीबो-गरीब दास्तां

बसना नगर की गौरव पथ भ्रष्टाचार की भेंट

गुणवत्ता हीन सड़क निर्माण,खुली कार्य प्रणाली की पोल

निर्माणाधीन गौरव पथ से सिमेंट गायब,रोड में झांक रही गिट्टी ही गिट्टी, किया जा रहा मरम्मत,

दुर्घटना को आमंत्रण देती बेतरतीब रोड क्रासिंग

बसना (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के बसना नगर में लगभग 29 करोड़ रूपये की लागत से गौरव पथ का निर्माण कार्य चल रहा है जो लगभग पूर्ण होने के कगार पर है। लेकिन निर्माण कार्य में ठेकेदार की लापरवाही एवं गुणवत्ता हीन निर्माण से गौरव पथ में जगह-जगह दरारें पड़ रही हैं, सीमेंट दिन ब दिन उखड़ रहे हैं, करोड़ों के गौरव पथ पर गिट्टी ही गिट्टी नजर आ रहा है। जिसे मरम्मत किया जा रहा है वह स्पष्ट परिलक्षित हो रहा है। बता दें कि सड़क निर्माण स्टीमेट के आधार पर किया जाना था, परन्तु इसके विपरीत सड़क निर्माण कार्य किया गया है।

गौरतलब है कि,गौरव पथ निर्माण में घोर लापरवाही बरती गई है। सड़क के किनारे लगे बिजली के खंभों को हटाया जाना था, लेकिन बिना हटाये नाली का निर्माण कर दिया गया,वस्तुतः बिजली के खम्भे को भी समय पर हटाया नहीं गया था।

स्टीमेट के विपरित भारी संख्या में बनाया गया डिवाइडर, दुर्घटना को दे रहा आमंत्रण

गौरतलब है कि आम जनता की बहुप्रतीक्षित मांग थी सड़क निर्माण - मांग तो पूरी हुई लेकिन स्टीमेट को ठेंगा दिखाते हुए घटिया स्तर का निर्माण कार्य किया गया है जिसे मरम्मत कर लीपा-पोती की जा रही है। स्टीमेट से चार गुना अधिक डिवाइडर का निर्माण किया गया है आखिर क्यों ? भारी संख्या में डिवाइडर होने से हमेशा दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है ठेकेदार एवं नगरीय प्रशासन की घोर लापरवाही का परिणाम आम जनता भुगत रही है। आने जाने वाले राहगीरों के साथ दुर्घटना होने का खतरा निरंतर बना हुआ है। अगर दुर्घटना होती है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा शासन प्रशासन के अधिकारी या ठेकेदार यह एक गंभीर सवाल है ?

पूरे प्रदेश में गुणवत्ता हीन निर्माण कार्य को लेकर बसना नगर अव्वल

पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में गुणवत्ता हीन निर्माण कार्य को लेकर अगर पुरस्कार मिले तो बसना नगर का नाम अव्वल नंबर में माना जायेगा। बिजली खंभों को हटाकर सुसज्जित किया जाना था वह भी आज पर्यंत तक नहीं हो पाया है बहरहाल शहर की जनता में निर्माण कार्य को लेकर भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। घटिया निर्माण कार्य को लेकर जगह जगह, चौक चौराहों पर चर्चाओं का बाजार गर्म है। बसना क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी इस गुणवत्ता हीन सड़क निर्माण को लेकर चुप्पी साधे हुए हैं, आखिर क्यों ? क्या इन्हें दिखाई नहीं दे रहा है -- अगर दिखाई दे रहा है तो कार्रवाई क्यों नहीं -- ?

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26